RPSC, RSMSSB

और राजस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहद उपयोगी।

AKSHANSH PUBLICATION

नवगठित 7 संभागों एवं 41 जिलों पर आधारित

राजस्थान का भूगोल

प्रथम संस्करण

RAJASTHAN PYQ SERIES

अध्यायवार प्रश्नों की व्याख्या

आर.ए.एस. (RAS), प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी अध्यापक, सब इंस्पेक्टर (राज, पुलिस), कांस्टेबल, जेल प्रहरी, CET, BSTC, PTET, पटवार, ग्राम सेवक, एल. डी. सी., जूनियर एकाउंटेंट, एग्रीकल्चर सुपरवाइजर एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक।

2010 से 2025 तक के समस्त वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषणात्मक एवं व्याख्यात्मक संकलन

राम चौधरी सर

अक्षांश पब्लिकेशन

M. 9079798005, 6376491126

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

व्याख्यात्मक हल

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर

के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

AKSHANSH PUBLICATION

द्वितीय श्रेणी शिक्षक, चतुर्थ श्रेणी, कांस्टेबल, पटवार एवं स्कूल व्याख्याता सहित 2025 तक आयोजित सभी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का टॉपिक-वाइज विस्तृत व्याख्या सहित संकलन।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2025
पटवार	2021, 2025
कॉन्स्टेबल	2022, 2024, 2025
स्कूल व्याख्याता (1st grade)	2021, 2023, 2025
द्वितीय श्रेणी शिक्षक (2nd grade) (माध्यमिक शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रश्न पत्र)	2020, 2022, 2025
तृतीय श्रेणी शिक्षक (3rd grade)	2021, 2022, 2024
REET PRE. EXAM	2018, 2021, 2024
RAS	2021, 2023, 2025
जेल प्रहरी	2022, 2025
महिला पर्यवेक्षक	2024, 2025
BSTC	2022-2025
PTET	2022-2025
CET (10+2, स्नातक)	2023, 2024
पशु परिचर	2024
CHO	2024
ANM & Nurse	2024
सूचना सहायक	2024
संगणक	2024
सांख्यिकी अधिकारी	2024
कनिष्ठ लेखाकार	2016, 2024
प्रयोगशाला सहायक	2018, 2022, 2024
पुस्तकालय अध्यक्षक	2024
खाद्य सुरक्षा अधिकारी	2024
स्टेनोग्राफर	2021, 2023
Protection Officer	2023
Asstt. Fire Officer & Fireman	2022
कम्प्यूटर अनूदेशक	2022
वनपाल वनरक्षक	2022
ग्राम विकास अधिकारी	2021, 2022
पुलिस उपनिरीक्षक (SI)	2018, 2021, 2022
HM (प्रधानाध्यापक)	2021
Highcourt LDC	2017, 2023
RPSC LDC	2011, 2016
RSSB LDC	2018, 2024

RPSC, RSSB एवं अन्य बोर्ड द्वारा राजस्थान में आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नों का व्याख्या सहित संकलन

संपादक
राम चौधरी सर

सह संपादक
राजवर्धन बेगड़, गंगासिंह भाटी
निशांत सोलंकी

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

MRP : ₹299

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM | INSTAGRAM | YOUTUBE | FACEBOOK | WHATSAPP

बुक कोड - AP0043

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

अनुक्रमणिका

01	राजस्थान की स्थिति एवं विस्तार	1 - 20
02	राजस्थान के संभाग व जिले	21 - 29
03	प्राकृतिक व भौतिक स्वरूप	30 - 71
04	राजस्थान की जलवायु	72 - 109
05	मृदा एवं मृदा संरक्षण	110 - 131
06	राजस्थान की नदियाँ एवं झीलें	138 - 173
07	प्रमुख बांध व जल संरक्षण	174 - 187
08	राजस्थान की सिंचाई परियोजनाएँ	188 - 206
09	राजस्थान में वनस्पति	207 - 224
10	राजस्थान के वन्यजीव	225 - 247
11	राजस्थान में कृषि	248 - 272
12	राजस्थान के पशुधन	273 - 293
13	राजस्थान के खनिज संसाधन	294 - 321
14	राजस्थान में उद्योग	322 - 348
15	राजस्थान की जनसंख्या	349 - 369
16	राजस्थान में ऊर्जा संसाधन	370 - 386
17	राजस्थान में परिवहन	387 - 400
18	राजस्थान में पर्यटन	401 - 429

01 राजस्थान की स्थिति एवं विस्तार

◪ **भारत में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति है-**

Asst. Agriculture Officer: 29.01.2013
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल 14.06.2024

(a) उत्तर-पश्चिमी भाग (b) दक्षिण-पश्चिमी भाग
(c) उत्तर-पूर्वी भाग (d) दक्षिण-पूर्वी भाग

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग (वायव्य कोण) में स्थित है। यह राज्य अक्षांशीय दृष्टि से उत्तरी गोलार्द्ध और देशांतर की दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध में आता है। इसकी सीमाएँ पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में पंजाब, उत्तर-पूर्व में हरियाणा व उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पूर्व में मध्यप्रदेश तथा दक्षिण-पश्चिम में गुजरात से लगती हैं।
- राजस्थान की आकृति T.H. हैण्डले के अनुसार विषमकोणीय चतुर्भुजाकार/पतंगाकार/रोहम्बस के समान है।
- विश्व में राजस्थान उत्तरी पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।

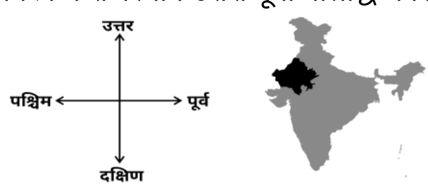

◪ **विश्व में, राजस्थान किस गोलार्द्ध में स्थित है?**

JEN (Mechanical) Degree-20.05.2022
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024

(a) उत्तर-पश्चिमी गोलार्द्ध (b) उत्तर-पूर्वी गोलार्द्ध
(c) दक्षिण-पूर्वी गोलार्द्ध (d) दक्षिण-पश्चिम गोलार्द्ध

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- विश्व मानचित्र के अनुसार राजस्थान पृथ्वी के **उत्तरी गोलार्द्ध** (Northern Hemisphere) तथा **पूर्वी गोलार्द्ध** (Eastern Hemisphere) में स्थित है। इस प्रकार यह "उत्तर-पूर्वी गोलार्द्ध" में आता है।

- कोण – ईशान कोण
- **अक्षांश (Latitude)**: 23°03' से 30°12' उत्तरी
- **देशांतर (Longitude)**: 69°30' से 78°17' पूर्वी

राजस्थान की ग्लोबीय स्थिति

अक्षांशीय स्थिति
(अक्षांशीय दृष्टि से राजस्थान उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।)

देशांतरीय स्थिति
(देशांतरीय दृष्टि से राजस्थान पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।)

◪ **राजस्थान आकार में ... है।**

JEN - 21.08.2016
राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.5.2022
छात्रावास अधीक्षक-2008

(a) त्रिभुजाकार (Triangular)
(b) पतंग/ समांतर असमचतुर्भुजाकार (Rhomboid)
(c) पंचभुजाकार (Pentagonal)
(d) षट्कोणीय (Hexagonal)

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- राजस्थान का भौगोलिक आकार एक **विषमकोणीय चतुर्भुज** या **पतंग** के समान है। इसे पहली बार ब्रिटिश हैल्थ ऑफिसर **टी.एच. हैण्डले** ने **"रोहम्बस" (Rhomboid)** के रूप में वर्णित किया था। उन्होंने ही जयपुर के शासक **रामसिंह द्वितीय** को शहर को "गेरुआ रंग" से रंगवाने की सलाह दी थी।
- भारत की आकृति **चतुष्कोणीय** है।
- **टोंक** जिले की आकृति राजस्थान की आकृति के समान है।

राजस्थान के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?

JEN (Mechanical) Diploma-20.05.2022

(a) इसका आधार विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
(b) इसका उत्तर से दक्षिण विस्तार 869 किमी. है।
(c) इसकी स्थलीय सीमा 6920 किमी. है।
(d) इसका क्षेत्रफल 3,42329 वर्ग किमी. है।

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- **कथन (a)** सत्य है राजस्थान का भौगोलिक आकार एक **विषमकोण चतुर्भुज (trapezoid)** जैसा है, जिसमें उत्तरी और दक्षिणी सीमाएँ असमान हैं अत: विकल्प **(a)** सही है।
- राजस्थान का उत्तर से दक्षिण विस्तार लगभग **826 किमी** है, न कि 869 किमी.। **(b)** असत्य है।
- राजस्थान की स्थलीय सीमा लगभग **5920 किमी.** है, न कि 6920 किमी.। **(c)** असत्य है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल **3,42,239 वर्ग किमी** है, न कि 3,42,329 वर्ग किमी। **(d)** असत्य है।
- राजस्थान का मध्यवर्ती **गांव लाम्पोलाई** है, जबकि सेटेलाईट सर्वे के अनुसार मध्यवर्ती **गांव गगराना** है।

राजस्थान राज्य का कुल क्षेत्रफल है, लगभग

BSTC-2008
JEN Diploma (TSP) 16.10.2016
RAS. Pre-2003
कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019
राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-13.09.2025

(a) 2 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
(b) 3 लाख 42 हजार वर्ग किमी.
(c) 4 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
(d) 5 लाख 42 हजार वर्ग किमी.

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- **राजस्थान का क्षेत्रफल** 3,42,239/ 3,42,239.74 वर्ग किलोमीटर है।
- यह क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का प्रथम राज्य है।
- राजस्थान का आकार विषमकोणीय चतुर्भुज के समान है और इसे Rhomboid भी कहते हैं।
- **उत्तर से दक्षिण विस्तार**: 826 किमी.
- **पूर्व से पश्चिम विस्तार**: 869 किमी.
- **स्थलीय सीमा**: लगभग 5920 किमी.
- **अंतरराष्ट्रीय सीमा (पाकिस्तान से)**: 1070 किमी.

कुल भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में राजस्थान का स्थान है?

छात्रावास अधीक्षक परीक्षा, 2008

(a) प्रथम
(b) द्वितीय
(c) तृतीय
(d) चतुर्थ

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- राजस्थान का कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी. है, जो इसे **भारत का सबसे बड़ा राज्य** बनाता है। क्षेत्रफल के अनुसार भारत में इसका **प्रथम स्थान** है।
- 1 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग होने पर राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम स्थान पर आया।

क्षेत्रफल की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान के बाद सबसे बड़ा राज्य है?

कनिष्ठ अनुदेशक - 20.03.2011

(a) उत्तर प्रदेश
(b) मध्य प्रदेश
(c) आन्ध्र प्रदेश
(d) महाराष्ट्र

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- **राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है।**
- **राजस्थान:** 3,42,239 वर्ग किमी.
- **मध्य प्रदेश:** 3,08,245 वर्ग किमी.
- **महाराष्ट्र:** 3,07,713 वर्ग किमी.
- **उत्तर प्रदेश:** 2,40,928 वर्ग किमी.
- 2 जून 2014 को आंध्रप्रदेश से तेलंगाना अलग हुआ, जो कि भारत का 29वाँ राज्य बना।
- 15 नवम्बर, 2000 को बिहार से झारखण्ड अलग हुआ।

राजस्थान: संभाग और जिले किन वर्षों में संभागीय आयुक्त के पद को समाप्त और पुनर्स्थापित कर दिया गया था?

RAS-2015

(a) 1966 में समाप्त और 1973 में पुनर्स्थापित
(b)1962 में समाप्त और 1987 में पुनर्स्थापित
(c) 1962 में समाप्त और 1971 में पुनरुस्थापित
(d) 1959 में समाप्त और 1987 में पुनर्स्थापित

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- राजस्थान में संभागीय व्यवस्था (Divisional Administration) को 1962 ई. में समाप्त कर दिया गया था और इसे पुनः 1987 ई. में लागू किया गया।

राजस्थान में संभागीय व्यवस्था -

- **1949**: शुरूआत (हीरालाल शास्त्री), 5 संभाग (जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर), 25 जिले।
- **24 अप्रैल 1962**: समाप्त (मोहनलाल सुखाड़िया)।
- **26 जनवरी, 1987**: पुन:स्थापित (हरिदेव जोशी), अजमेर 6वाँ संभाग।
- **4 जून 2005**: भरतपुर 7वाँ संभाग (वसुंधरा राजे)।
- **7 अगस्त 2023**: 3 नए संभाग (अशोक गहलोत)
- यह निर्णय **रामलुभाया समिति** (गठन: 21 मार्च, 2022) की अंतरिम रिपोर्ट (2 अगस्त, 2023) पर आधारित था।
- 8वाँ संभाग: बाँसवाड़ा (उदयपुर से)
- 9वाँ संभाग: पाली (जोधपुर से)
- 10वाँ संभाग: सीकर (जयपुर-बीकानेर से)

नोट:- 2023 में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाए गए 19 नए ज़िलों और 3 नए संभागों में से 9 ज़िले और 3 संभागों को वर्तमान सरकार भजनलाल शर्मा सरकार ने **ललित के. पंवार समिति (2024)** की सिफारिश पर रद्द कर दिया है।

ललित के. पंवार समिति (2024):

- भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ललित के. पंवार की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

रद्द किए गए ज़िले:

1. अनूपगढ़
2. नीमकाथाना
3. सांचौर
4. केकड़ी
5. शाहपुरा
6. दूदू
7. गंगापुर सिटी
8. जोधपुर ग्रामीण
9. जयपुर ग्रामीण

रद्द किए गए संभाग:

1. सीकर संभाग 2. पाली संभाग 3. बांसवाड़ा संभाग

- अतः वर्तमान में सितंबर 2025 तक राजस्थान में कुल **41 ज़िले और 7 संभाग** हैं।
- पूर्व में 33 जिलों के अनुसार **राजस्थान के संभाग व जिलों** की स्थिति इस सारणी में दर्शायी जा रही है।

क्र.सं.	संभाग	जिले
1	जयपुर	जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनू
2	जोधपुर	जोधपुर, जालौर, बाड़मेर, पाली, सिरोही, जैसलमेर
3	अजमेर	अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, नागौर
4	कोटा	कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़
5	उदयपुर	उदयपुर, राजसमन्द, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़
6	बीकानेर	बीकानेर, चुरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
7	भरतपुर	भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर

नोट: राजस्थान में वर्तमान में **7 संभाग व 41 जिले** है।

राजस्थान के संभाग व उनके जिले (2025)

क्र सं.	संभाग का नाम	अंतर्गत जिले
1.	**जयपुर**	जयपुर, दौसा, अलवर, झुंझुनू, सीकर, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा (भृर्तहरी नगर) (7)
2.	**जोधपुर**	जोधपुर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, सिरोही, फलोदी, बालोतरा (8)
3.	**अजमेर**	अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, नागौर, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन (6)
4.	**उदयपुर**	उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सलूम्बर (7)
5.	**बीकानेर**	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू (4)
6.	**कोटा**	कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ (4)
7.	**भरतपुर**	भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, डीग (5)

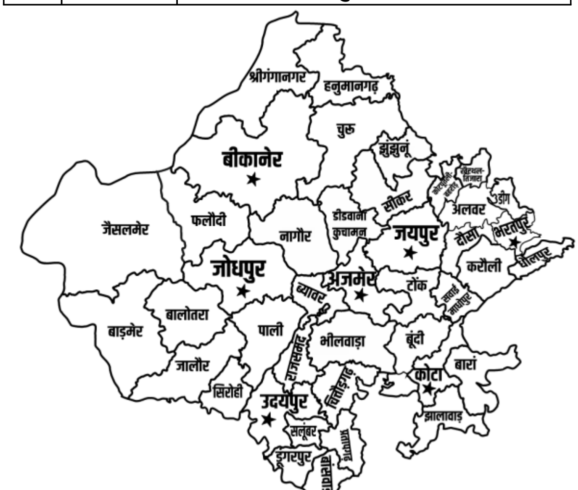

◪ **राजस्थान में संभागीय आयुक्त व्यवस्था को कब पुनर्जीवित किया गया?**

कॉलेज व्याख्या. -30.5.19

JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022

(a) 1977 (b) 1985

(c) 1987 (d) 1997

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- राजस्थान में **संभागीय आयुक्त व्यवस्था** को **वर्ष 1962 में समाप्त** कर दिया गया था और इसे **पुनः वर्ष 1987 में पुनर्जीवित (पुनः स्थापित)** किया गया। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक संभाग में एक **संभागीय आयुक्त (Divisional Commissioner)** की नियुक्ति की जाती है जो प्रशासनिक नियंत्रण एवं समन्वय का कार्य करता है।

◪ **17 मार्च, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री ने 19 जिलों और तीन नए खंडों को बनाने की घोषणा की। निम्न में से कौन-सा नया खंड नहीं हैं?**

सूचना सहायक 21.1.2024

(a) सीकर (b) डूंगरपुर

(c) बाँसवाड़ा (d) पाली

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- **17** मार्च **2023** को राजस्थान के मुख्यमंत्री ने **19** नए जिलों और **3** नए संभागों के गठन की घोषणा की। घोषित तीन नए संभाग थे: **सीकर, पाली** और **बांसवाड़ा**।
- इसलिए**,** दिए गए विकल्पों में से **डूंगरपुर** नया संभाग नहीं है।

दिसंबर 2024 रद्द किए गए संभाग:

1. सीकर संभाग – सीकर, चुरू, झुंझुनू, नीम का थाना
2. पाली संभाग – पाली, जालोर, सांचौर, सिरोही
3. बांसवाड़ा संभाग – बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डुंगरपुर

◪ **अजमेर राजस्थान का छठा संभाग कब बना?**

VDO-27.12.2021

(a) 1987 (b) 1982

(c) 1977 (d) 1991

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- राजस्थान में **अजमेर** को **1987 ई. में छठा संभाग** घोषित किया गया। इससे पहले तक राजस्थान में केवल पाँच संभाग थे।

03 प्राकृतिक व भौतिक स्वरूप

◪ राजस्थान को प्रमुख भौतिक विभागों में कितनी बार बाँट सकते है?

EO & RO- 2023

(a) एक
(b) चार
(c) दो
(d) छ:

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- राजस्थान को प्रमुख 4 भौतिक विभागों में बाँट सकते है।
- राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों का निर्धारण विभिन्न भूगोलवेत्ताओं ने समय-समय पर अपने-अपने आधारों पर किया है। इन प्रयासों में प्रमुख निम्नलिखित हैं:

1. प्रो. वी.सी. मिश्रा का वर्गीकरण

- **प्रो. वी.सी. मिश्रा** ने अपनी पुस्तक **'राजस्थान का भूगोल'** में सर्वप्रथम राजस्थान को **7 भौगोलिक प्रदेशों** में विभाजित किया। ये प्रदेश हैं:

1. पश्चिमी शुष्क प्रदेश
2. अर्द्ध-शुष्क प्रदेश
3. नहरी प्रदेश
4. अरावली प्रदेश
5. पूर्वी कृषि-औद्योगिक प्रदेश
6. दक्षिण-पूर्वी कृषि प्रदेश 7. चम्बल बीहड़ प्रदेश

2. ए.के. सेन का वर्गीकरण (1968)

- एस.के. सेन ने **1968** में **जलवायु के आधार** पर राजस्थान को **तीन भागों** में विभाजित किया।

3. डॉ. रामलोचन सिंह का वर्गीकरण (1971)

- डॉ. रामलोचन सिंह ने **1971** में राजस्थान को **भौतिक आधार** पर विभाजित किया:

मुख्य दो भाग:

1. राजस्थान
2. राजस्थान पठार

चार उपभाग:

1. मरुस्थल
2. राजस्थान बांगर
3. अरावली पर्वतीय प्रदेश
4. चम्बल बेसिन

- **बारह लघु प्रदेशों** में भी विस्तृत वर्गीकरण किया गया।

4. डॉ. हरिमोहन सक्सेना का वर्गीकरण (1994)

- डॉ. हरिमोहन सक्सेना ने अपनी पुस्तक **'राजस्थान का प्रादेशिक भूगोल' (1994)** में **धरातल, जलवायु और नदी बेसिन** के आधार पर राजस्थान को **चार भागों** में विभाजित किया बेसिन के आधार पर राजस्थान को चार भागों में विभाजित किया

I. पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार का मरुस्थल)
II. अरावली पर्वतीय प्रदेश
III. पूर्वी मैदानी प्रदेश
IV. दक्षिण–पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार)

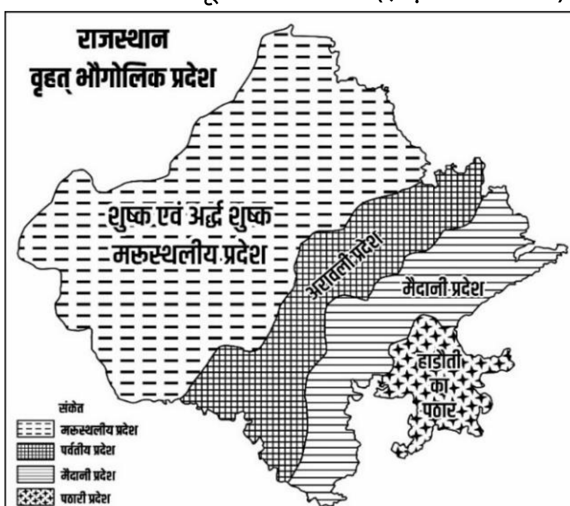

विशेषताएँ	1. थार मरुस्थलीय प्रदेश	2. अरावली पर्वतीय प्रदेश	3. पूर्वी मैदानी प्रदेश	4. दक्षिण-पूर्व पठारी प्रदेश
समय / युग	टर्शियरी (नवीन)	आर्कियन युग (सबसे प्राचीन)	प्लीस्टोसीन युग (तीसरा प्राचीन)	गोंडवाना युग (दूसरा प्राचीन)
क्षेत्रफल	61.11%	9.1%	23.3%	6.49%
जनसंख्या	40 %	10 %	39 %	11 %
अवशेष	टेथिस सागर	गोंडवाना लैण्ड	टेथिस सागर	गोंडवाना लैण्ड
भारत भौगोलिक प्रदेश हिस्सा	उत्तर भारत का विशाल मैदान	प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश	उत्तर भारत का विशाल मैदान	प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश
प्रमुख जिले	जैसलमेर,बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर	उदयपुर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद	जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, टोंक	कोटा, झालावाड़ चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा
औसत ऊँचाई	150-380 मी.	930 मी.	200-500 मी.	450-600 मी.
वर्षा	10 सेमी.-40 सेमी.	40 सेमी.-60 सेमी.	60 सेमी 80 सेमी.	80 सेमी.-120 संमी.
प्रमुख नदियाँ	लूनी, काकणी, घग्घर	बनास, सुकड़ी, सोम	चंबल, बनास, पार्वती	कालीसिंध,माही, परवन
जलवायु	अति-शुष्क	उप-शुष्क	आर्द्र-शुष्क	नमीयुक्त उपोष्ण
प्रमुख वन	काँटेदार झाड़ियाँ	सूखे पर्णपाती वन	मिश्रित पतझड़ी वन	सागौन, बांस
प्रमुख मिट्टी	रेतीली, मरुस्थली एंटीसोल	बलुई, दोमट, पत्थरीली इंसेप्टिसोल	जलोढ़ अल्फ़िसोल	काली व लैटेराइट मिट्टी वर्टिसॉल
प्रमुख फसलें	बाजरा, मोठ, ग्वार	गेहूँ, सरसों, चना	गेहूँ, धान, सरसों	कपास, सोयाबीन, मक्का
विशिष्टता	थार मरुस्थल, रेगिस्तान	गुरु शिखर	कृषि व औद्योगिक विकास	पठारी विशेषताएँ,काली मिट्टी

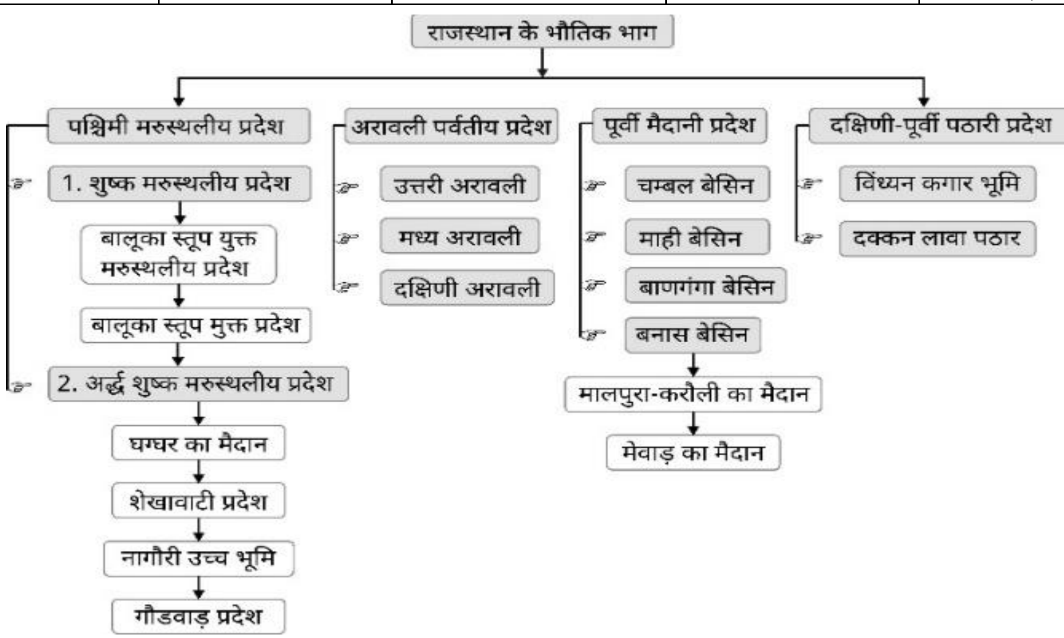

उत्तर-पूर्वी राजस्थान की जलवायु है-
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019
(a) अर्द्ध शुष्क
(b) आर्द्र
(c) उप-आर्द्र
(d) अति आर्द्र

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- **उत्तर-पूर्वी राजस्थान**: इस क्षेत्र में जयपुर, अलवर, दौसा, सीकर, और झुंझुनू जैसे जिले शामिल हैं।
- **जलवायु**: यह क्षेत्र **अर्द्ध-शुष्क** जलवायु का हिस्सा है, क्योंकि यहाँ औसत वार्षिक वर्षा **40-60 सेमी.** के बीच होती है। यह क्षेत्र शुष्क पश्चिमी राजस्थान और आर्द्र दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के बीच एक संक्रमण क्षेत्र है।

अन्य
- **आर्द्र**: आर्द्र जलवायु में वर्षा 75-100 सेमी. होती है, जो दक्षिणी जिलों (बांसवाड़ा, झालावाड़) में पाई जाती है।
- **उप-आर्द्र**: यह क्षेत्र 60-75 सेमी. वर्षा प्राप्त करता है, जो भरतपुर और धौलपुर जैसे पूर्वी जिलों में अधिक उपयुक्त है।
- **अति-आर्द्र**: यह झालावाड़ और बांसवाड़ा जैसे जिलों में पाई जाती है, जहाँ वर्षा 100 सेमी. से अधिक हो सकती है।
- उत्तर-पूर्वी राजस्थान (जैसे जयपुर, अलवर) की जलवायु **अर्द्ध-शुष्क** है, क्योंकि यहाँ वर्षा मध्यम होती है और शुष्कता की विशेषताएँ मौजूद हैं। सही उत्तर **अर्द्ध-शुष्क** है।

नोट:
राजस्थान मे जलवायु के प्रमुख तत्व - तापमान, वायुदाब, पवनें, जलवाष्प (आर्द्रता) एवं वर्षा आदि।

निम्न में किस जिले को राजस्थान में सर्वाधिक वार्षिक वर्षा प्राप्त होती है-
उद्योग प्रसार अधिकारी-22.8.18
(a) सिरोही (b) बीकानेर
(c) प्रतापगढ़ (d) कोटा

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- **राजस्थान में वर्षा का वितरण**: राजस्थान में वर्षा का वितरण असमान है, जो दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर घटता जाता है। दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी जिले जैसे झालावाड़, बांसवाड़ा, और प्रतापगढ़ सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करते हैं, क्योंकि ये क्षेत्र अरब सागर की मानसूनी शाखा से प्रभावित होते हैं।
- सामान्यत: राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाला जिला झालावाड़ है।
- **प्रतापगढ़**: यह जिला उदयपुर संभाग में दक्षिणी राजस्थान में स्थित है। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा **लगभग 85-90 सेमी.** होती है, जो राजस्थान के अन्य जिलों की तुलना में अधिक है। प्रतापगढ़ का उच्चावच और अरावली की निकटता इसे वर्षा के लिए अनुकूल बनाती है।

अन्य
- **सिरोही**: सिरोही में माउंट आबू के कारण स्थानीय स्तर पर अधिक वर्षा (150 सेमी. तक) होती है, लेकिन जिले का औसत कम (लगभग 60-70 सेमी.) है।
- **बीकानेर**: यह उत्तरी राजस्थान का शुष्क जिला है, जहाँ वर्षा बहुत कम (20-30 सेमी.) होती है।
- **कोटा**: कोटा में भी अच्छी वर्षा (लगभग 70-80 सेमी.) होती है, लेकिन प्रतापगढ़ से कम।
- **प्रतापगढ़** की औसत वार्षिक वर्षा अन्य विकल्पों से अधिक है, इसलिए सही उत्तर **प्रतापगढ़** है।

◪ **अर्द्ध-शुष्क जलवायु वाला जिला है-**
जेलप्रहरी 28.10.18

(a) झालावाड़ (b) प्रतापगढ़
(c) जयपुर (d) जोधपुर

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- **अर्द्ध-शुष्क जलवायु**: यह जलवायु क्षेत्र वह है जहाँ वार्षिक वर्षा **25-50 सेमी.** के बीच होती है, और यह शुष्क मरुस्थल (10-25 सेमी.) और उप-आर्द्र क्षेत्रों (50-75 सेमी.) के बीच का संक्रमण क्षेत्र है। राजस्थान में यह जलवायु पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में पाई जाती है।
- **जोधपुर**: जोधपुर पश्चिमी राजस्थान में स्थित है और इसकी औसत वार्षिक वर्षा **लगभग 30-40 सेमी.** है, जो इसे **अर्द्ध-शुष्क** जलवायु क्षेत्र में रखता है। यह क्षेत्र थार मरुस्थल का हिस्सा है, लेकिन **बीकानेर** या **जैसलमेर** की तुलना में थोड़ी अधिक वर्षा प्राप्त करता है।

अन्य
- **झालावाड़**: यह दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में है, जहाँ वर्षा 80-100 सेमी. होती है, जो **अति-आर्द्र** जलवायु दर्शाती है।
- **प्रतापगढ़**: यह भी दक्षिणी राजस्थान में है, जहाँ वर्षा 85-90 सेमी. होती है, जो **आर्द्र** या **अति-आर्द्र** क्षेत्र में आता है।
- **जयपुर**: जयपुर में वर्षा 50-60 सेमी. होती है, जो इसे **उप-आर्द्र** जलवायु क्षेत्र में रखता है।
- जोधपुर की वर्षा और जलवायु अर्द्ध-शुष्क विशेषताओं से मेल खाती है, इसलिए सही उत्तर **जोधपुर** है।

◪ **राजस्थान मरुस्थल में ग्रीष्मकाल में तापमान के आकस्मिक गिरावट होती है जिसका कारण है-**
मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020

(a) वायुमण्डल में उच्च शुष्कता, स्वच्छ आसमान, रेतीली मिट्टी एवं वनस्पति की कमी
(b) उच्च वायुमण्डलीय दाब, नग्न चट्टानों की उपस्थिति एवं रेत के टीले का पाया जाना
(c) झीलों की उपस्थिति, बिखरे अधिवास एवं तीव्र वायु की गति
(d) निम्न सापेक्षिक आर्द्रता, दिन में अधिक तापमान एवं तेज वायु की गति

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- **ग्रीष्मकाल में तापमान गिरावट**: राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों (जैसे जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर) में ग्रीष्मकाल (मई-जून) में दिन का तापमान बहुत अधिक (45-50°C) होता है, लेकिन रात में तापमान तेजी से गिरकर 20-25°C तक पहुँच जाता है। इसे **उच्च दैनिक तापांतरण** कहते हैं।

कारण (विकल्प 1):
- **उच्च शुष्कता**: वायुमंडल में नमी की कमी के कारण गर्मी का संचय नहीं होता, जिससे रात में तेजी से गर्मी निकल जाती है।
- **स्वच्छ आसमान**: बादलों की अनुपस्थिति के कारण सूर्य की गर्मी दिन में अवशोषित होती है, लेकिन रात में पृथ्वी से गर्मी तेजी से विकिरण द्वारा निकल जाती है।
- **रेतीली मिट्टी**: रेत कम गर्मी संग्रहित करती है और जल्दी ठंडी हो जाती है।
- **वनस्पति की कमी**: पौधों की कमी के कारण गर्मी का संरक्षण नहीं होता।

अन्य
- **विकल्प 2**: उच्च वायुमंडलीय दाब और नग्न चट्टानें तापमान गिरावट का मुख्य कारण नहीं हैं। रेत के टीले भी अप्रासंगिक हैं।
- **विकल्प 3**: राजस्थान के मरुस्थल में झीलें नहीं हैं, और बिखरे अधिवास का तापमान पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ता।
- **विकल्प 4**: निम्न सापेक्षिक आर्द्रता सही है, लेकिन दिन में अधिक तापमान और तेज वायु गति तापमान गिरावट का कारण नहीं हैं।
- **विकल्प 1** में दिए गए कारक (उच्च शुष्कता, स्वच्छ आसमान, रेतीली मिट्टी, वनस्पति की कमी) मरुस्थल में रात के समय तापमान की आकस्मिक गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। सही उत्तर **विकल्प 1** है।

◪ **राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातों को कहते हैं-**
उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018

(a) लू (b) गरज बौछार
(c) मावठ (d) ओलावृष्टि

उत्तर:- (c)

05 मृदा एवं मृदा संरक्षण

जिसका उपयोग मिट्टी की लवणता एवं क्षारीयता की समस्या का दीर्घकालीन हल है, वह है?
R.A.S.-1998, क. वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019

(a) रॉक-फॉस्फेट
(b) जिप्सम
(c) खाद
(d) घीया पत्थर

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- **लवणता और क्षारीयता:** मिट्टी में सोडियम की अधिकता से उर्वरता कम होती है।

जिप्सम की भूमिका:
- कैल्शियम सल्फेट ($CaSO_4 \cdot 2H_2O$) सोडियम आयनों को विस्थापित करता है।
- मिट्टी की संरचना को सुधारता है, जल धारण क्षमता बढ़ाता है।
- दीर्घकालीन समाधान, विशेष रूप से गंगानगर, हनुमानगढ़ जैसे क्षेत्रों में।

अन्य विकल्प:
- **रॉक-फॉस्फेट**: फॉस्फोरस प्रदान करता है, लवणता पर प्रभावी नहीं।
- **खाद:** पोषक तत्व देती है, लेकिन लवणता का स्थायी हल नहीं।
- **घीया पत्थर:** कृषि में उपयोग नहीं।
- जिप्सम का उपयोग राजस्थान की शुष्क मृदा में व्यापक रूप से किया जाता है।
- जिप्सम लवणता और क्षारीयता का प्रभावी समाधान है।

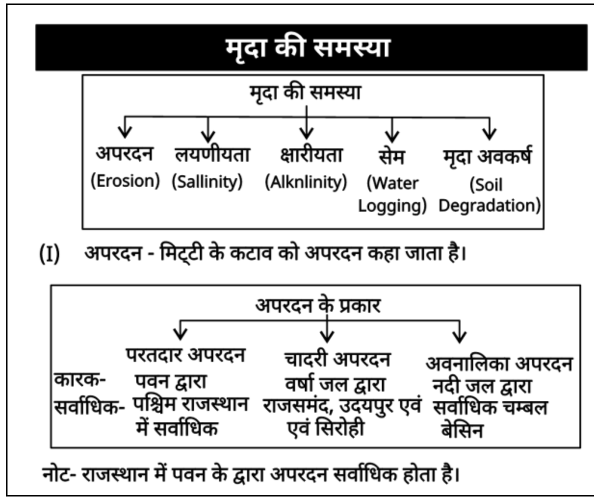

वह खनिज जो मिट्टी की क्षारीयता का उपचार करने में तथा स्वास्थ्य व निर्माण उद्योग क्षेत्र में काम आता है, वह अधिकांशतः पाया जाता है?
E.O. Exam, 2007

(a) बीकानेर जिले में
(b) सीकर जिले में
(c) नागौर जिले में
(d) झुंझुनूँ जिले में

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- **खनिज**: जिप्सम, क्षारीयता उपचार और उद्योगों में उपयोगी।

नागौर में जिप्सम:
- राजस्थान का सबसे बड़ा जिप्सम उत्पादक जिला।
- डीडवाना, भदवासी में विशाल भंडार।
- निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस, स्वास्थ्य में औषधीय उपयोग।

क्षारीयता उपचार:
- जिप्सम मिट्टी में कैल्शियम जोड़कर सोडियम को हटाता है। उर्वरता बढ़ाने में सहायक।

अन्य विकल्प:
- **बीकानेर**: जिप्सम कम मात्रा में।
- **सीकर, झुंझुनूं**: अन्य खनिज (तांबा, संगमरमर)।
- नागौर का जिप्सम कृषि और उद्योग दोनों के लिए महत्वपूर्ण।
- **नागौर** में जिप्सम प्रचुर मात्रा में मिलता है।

राजस्थान के नागौर, पाली, बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में मुख्यतः कौनसी मृदा पाई जाती है-

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019
पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020

(a) बलुई मृदा (b) काली मृदा
(c) लाल मृदा (d) पीली मृदा

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
क्षेत्रीय संदर्भ:
- नागौर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर थार मरुस्थल और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र में।
- वर्षा 10-40 सेमी., शुष्क जलवायु।

बलुई मृदा:
- रेत की अधिकता, कम जैविक पदार्थ।
- जल धारण क्षमता कम, उर्वरता सीमित।
- बाजरा, मूंग जैसी फसलों के लिए उपयुक्त।

अन्य विकल्प:
- काली मृदा: हाड़ौती (कोटा, बारां)।
- लाल मृदा: दक्षिणी राजस्थान (उदयपुर)।
- पीली मृदा: विशिष्ट नहीं।
- शुष्क मृदा प्रबंधन के लिए ड्रिप सिंचाई आवश्यक।
- बलुई मृदा इन नागौर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर जिलों में प्रमुख रूप से पायी जाती है।

निम्न में से किस प्रकार की मृदाएँ लिथोसोल्स भी कहलाती हैं?

आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.3.2018

(a) दोमट मृदाएँ (b) मरुस्थलीय मृदाएँ
(c) पर्वतीय मृदाएँ (d) लाल मृदाएँ

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
लिथोसोल्स:
- पतली, चट्टानी मृदा, कम गहराई।
- पर्वतीय क्षेत्रों में अपरदन के कारण।

पर्वतीय मृदाएँ:
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला (सिरोही, उदयपुर)।
- ग्रेनाइट, नीस शैलों का विखंडन।
- सीमित कृषि, वनस्पति आवरण।

अन्य विकल्प:
- दोमट मृदाएँ: उपजाऊ, मैदानी (जयपुर)।
- मरुस्थलीय: बलुई, थार में।
- लाल मृदाएँ: दक्षिणी राजस्थान, गहरी।
- पर्वतीय मृदा संरक्षण के लिए वृक्षारोपण जरूरी।
- पर्वतीय मृदाएँ **लिथोसोल्स** कहलाती हैं।

जिलों के जिस युग्म में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है, वह है?

JEN Degree (TSP) - 16.10.2016,
वनरक्षक - 2013

(a) कोटा, बारां, झालावाड़
(b) भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर
(c) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली
(d) सिरोही, उदयपुर, पाली

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
जलोढ़ मिट्टी:
- नदियों द्वारा जमा, उच्च उर्वरता।
- गेहूं, चावल के लिए उपयुक्त।

भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर:
- पूर्वी राजस्थान, चंबल, बाणगंगा नदियाँ।
- नवीन जलोढ़ मृदा, उपजाऊ।

अन्य विकल्प:
- **कोटा, बारां, झालावाड़**: काली मृदा (वर्टीसॉल्स)।
- **भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़**: लाल/मिश्रित।
- **सिरोही, उदयपुर, पाली**: पर्वतीय/लाल।
- जलोढ़ मृदा पूर्वी राजस्थान की कृषि का आधार।
- **भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर** में जलोढ़ मिट्टी पायी जाती है।

राजस्थान की नदियाँ एवं झीलें

जिलेवार राजस्थान की नदियाँ-		
क्र.सं.	जिले का नाम	नदियों के नाम
1.	अजमेर	सागरमती, सरस्वती, खारी, डाई, बनास
2.	अलवर	साबी, रूपारेल, काली, गौरी, सोटा
3.	उदयपुर	बनास, बेड़च, वाकल, सोम, जाखम, साबरमती
4.	कोटा	चम्बल, काली, सिन्ध, पार्वती, आहू, निवाज, परवन
5.	करौली	जग्गर, गंभीर, पांचना, अट्टा, बरखेड़ी
6.	श्रीगंगानगर	घग्घर
7.	चित्तौड़गढ़	बनास, बेड़च, बामणी, बागली, बागन, औराई, गम्भीरी, सीबना, जाखम, माही
8.	जयपुर	बाणगंगा, बांड़ी, ढूंढ, मोरेल, साबी, डाई, सखा, माशी, मन्दता
9.	जालौर	लूनी, बांड़ी, जवाई, सूकड़ी
10.	जैसलमेर	काकनेय, लाठी, चांघण, धऊआ, धोगड़ी
11.	जोधपुर	लूनी, मीठड़ी, जोजड़ी
12.	झालावाड़	काली सिन्ध, पार्वती, छोटी काली सिन्ध, निवाज
13.	टोंक	बनास, माशी, बांड़ी
14.	डूंगरपुर	सोम, माही, सोन, मोरेन
15.	नागौर	लूनी
16.	पाली	लीलड़ी, बांड़ी, सूकड़ी, जवाई
17.	बाड़मेर	लूनी, सूकड़ी
18.	बाँसवाड़ा	माही, अन्नास, चैनी
19.	बूँदी	कुराल
20.	भरतपुर	चम्बल, बरहा, बाणगंगा, गंभीरी, पार्वती
21.	भीलवाड़ा	बनास, कोठारी, बेड़च, मेनाल, मानसी, खारी
22.	सवाई माधोपुर	चम्बल, बनास, मोरेल
23.	सिरोही	पश्चिमी बनास, सूकड़ी, पोसालिया, खाती, खिशनावती, भूला और सुखदा
24.	हनुमानगढ़	घग्घर की नाली
25.	धौलपुर	चम्बल
26.	दौसा	मोरेल, बाणगंगा
29.	बारों	पार्वती, कुनू, परवन
30.	राजसमन्द	बनास, चन्द्रभागा, खारी, गोमती
31.	प्रतापगढ़	जाखम, सूकली, भैरवी, ईरू
नोट- बीकानेर व चूरू जिले में कोई नदी प्रवाहित नहीं होती है।		

राजस्थान की प्रमुख नदियों के उद्गम स्थल-	
नदी	**उद्गम स्थल**
साबी	सेवर पहाड़ियाँ (जयपुर-सीकर सीमा)
मसुरदी/काकनेय/काकनी	कोटड़ी गाँव (जैसलमेर)
बाणगंगा	बैराठ पहाड़ियाँ (जयपुर)
कांतली	खण्डेला पहाड़ियाँ (सीकर)
लूनी	नाग पहाड़ियाँ (अजमेर)
माही	विन्ध्याचल पहाड़ियाँ (मेहद झील) धार (मध्यप्रदेश)
सोम	बिछामेड़ा की पहाड़ियाँ (उदयपुर)
चम्बल	जानापाव पहाड़ी, महू (मध्यप्रदेश)
कालीसिन्ध	बागली गाँव, देवास (मध्यप्रदेश)
पश्चिमी बनास	नया सनवारा (सिरोही)
बनास	खमनौर की पहाड़ियाँ (कुम्भलगढ़, राजसमंद)
बेड़च	गोगुंदा की पहाड़ियाँ (उदयपुर)
कोठारी	दिवेर की पहाड़ियाँ (राजसमंद)
रूपनगढ़	नाग पहाड़ (अजमेर)
रूपारेल	थानागाजी (अलवर)
गंभीर	सपोटरा की पहाड़ियाँ (करौली)

राजस्थान की अपवाह प्रणाली

अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ
माही, सोम, जाखम, साबरमत्ती, पश्चिमी, बनास, लूनी आदि।

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ
चम्बल, कालीसिंध, पार्वती, बनास, खारी, बेड़च, गंभीर, बांणगंगा, आदि।

अन्त: प्रवाहित नदियाँ
घग्घर, काँतली, मेंथा, रूपनगढ़, खाण्डेल, रूपारेल, काकनेय, मसूरदी, साबी आदि।

नोट:

- राजस्थान में **अरावली पर्वत जल विभाजक का कार्य करता है।**
- राजस्थान में जल विभाजक रेखा उत्तर में अरावली अक्ष के साथ सांभर झील के दक्षिण तक है। यहाँ से दक्षिण-पश्चिम की ओर ब्यावर से पूर्व में होती हुई देवगढ़, कुंभलगढ़, हल्दीघाटी से उदयसागर तक आती है। आगे दक्षिण पूर्व में बड़ी सादड़ी, छोटी सादड़ी से निकलती हुई प्रतापगढ़ तक चली जाती है।

◪ **कौनसी नदियाँ कच्छ के रण में गिरती है?**

सांख्यिकी अधिकारी-25.02.2024

(a) पश्चिमी बनास और लूनी
(b) माही और पश्चिमी बनास
(c) साबरमती और लूनी
(d) माही और लूनी

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- कच्छ का रण गुजरात में एक नमकीन दलदल है। यह कई नदियों का अंतिम गंतव्य है।
- **पश्चिमी बनास और लूनी** नदियाँ राजस्थान से निकलकर कच्छ के रण में गिरती हैं।
- पश्चिमी बनास सिरोही से शुरू होती है। लूनी नाग पहाड़ से निकलती है।
- यह क्षेत्र शुष्क जलवायु के लिए जाना जाता है।
- **माही नदी व साबरमती** खंभात की खाड़ी में गिरती है। पश्चिम बनास की सहायक नदी **सीपू/सूकली** है।

07 प्रमुख बांध व जल संरक्षण

◪ **चम्बल नदी पर निर्मित कौनसा बाँध राजस्थान राज्य में स्थित नहीं है? JEN 21.08.2016**
CET 12th 2024 24 Oct. Shift-I
(a) गाँधी सागर (b) राणा प्रताप सागर
(c) जवाहर सागर (d) कोटा बैराज

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- गाँधी सागर बाँध चंबल नदी पर मध्यप्रदेश में स्थित है।
- राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़), जवाहर सागर (बूंदी), और कोटा बैराज (कोटा) राजस्थान में हैं।
- चंबल घाटी परियोजना मध्यप्रदेश और राजस्थान का संयुक्त उद्यम है।
- गाँधी सागर बाँध सिंचाई और बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण है।
- यह बाँध चंबल नदी के ऊपरी प्रवाह पर स्थित है।
- इस बॉध से 115 MW विद्युत उत्पादन किया जाता है।

◪ **किस स्थल पर चम्बल नदी सर्वाधिक प्रदूषित हुई है-**
JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016
(a) गाँधी सागर बाँध (b) राणा प्रताप सागर बाँध
(c) जवाहर सागर बाँध (d) कोटा बैराज

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- चंबल नदी कोटा बैराज के पास सर्वाधिक प्रदूषित है।
- कोटा शहर में औद्योगिक और शहरी अपशिष्ट नदी में मिलते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है।
- गाँधी सागर, राणा प्रताप सागर और जवाहर सागर बाँध ऊपरी क्षेत्रों में हैं, जहाँ प्रदूषण कम है।
- चम्बल नदी नित्यवाहिनी कहलाती है।
- कोटा बैराज नदी के निचले प्रवाह पर है, जहाँ अपशिष्ट संचय अधिक होता है।
- प्रदूषण नियंत्रण के लिए नदी संरक्षण उपाय आवश्यक हैं।
- चंबल नदी की स्वच्छता क्षेत्र की जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है।

◪ **सही क्रम चुनिए-**
LDC Exam -19.08.2018
(a) बीसलपुर बाँध - बनास नदी
(b) पोंग बाँध - चम्बल नदी
(c) सिद्धमुख नहर - यमुना नदी
(d) मेजा बाँध - खारी नदी

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- बीसलपुर बाँध बनास नदी पर टोंक जिले में है। यह सही युग्म है।
- पोंग बाँध हिमाचल प्रदेश में ब्यास नदी पर है, चंबल पर नहीं।
- व्यास परियोजना में पोंग बॉध व पडोह बॉध बनाये गये।
  सिद्धमुख नहर हनुमानगढ़ में घग्घर बेसिन से संबंधित है, यमुना से नहीं।
- मेजा बाँध भीलवाड़ा में कोठारी नदी पर है, खारी पर नहीं।
- बीसलपुर बाँध जयपुर और टोंक की जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

◪ **पांचना बाँध कहाँ स्थित है?**
P.C. Exam-2007(III)
Police Constable Exam-2013
जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -III
(a) दौसा (b) सवाई माधोपुर
(c) करौली (d) अलवर

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- पांचना बाँध करौली जिले में गंभीर नदी पर स्थित है।
- यह बाँध क्षेत्र की सिंचाई और जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण है।
- इस बॉध में अट्टा, माची, भैंसावट, बरखेडा, भद्रावती नदियॉं अपना जल गिराती है।

- गंभीर नदी पूर्वी राजस्थान की जल प्रणाली का हिस्सा है।
- पांचना बाँध करौली की कृषि अर्थव्यवस्था को समृद्ध करता है।
- इसका निर्माण स्थानीय जल प्रबंधन की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

चूलिया जल प्रपात के नीचे की ओर राजस्थान में कौन सा बाँध बना है?

आर्थिक अन्वेषक -25.3.2018

JEN यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020

(a) जवाहर सागर बाँध (b) गांधी सागर बाँध
(c) राणा प्रताप सागर बाँध (d) नांगल बाँध

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- चूलिया जल प्रपात चंबल नदी पर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में है।
- इसके नीचे राणा प्रताप सागर बाँध बना है। यह चंबल घाटी परियोजना का हिस्सा है।
- राणाप्रताप सागर बॉंध से 172 MW विद्युत उत्पादन होती है।
- जवाहर सागर और कोटा बैराज इसके बाद हैं। गाँधी सागर, मध्यप्रदेश में है।
- नांगल बाँध पंजाब में सतलुज नदी पर है।
- राणा प्रताप सागर बाँध क्षेत्र की सिंचाई और बिजली उत्पादन में योगदान देता है।

'तख्त सागर' नामक जलाशय राजस्थान के किस जिले में स्थित है?

कर सहायक 14.10.2018

(a) जोधपुर (b) जयपुर
(c) जालौर (d) झुन्झुनूं

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- तख्त सागर जलाशय जोधपुर जिले में स्थित है। यह एक कृत्रिम जलाशय है।
- इसका निर्माण जल संरक्षण और स्थानीय जल आपूर्ति के लिए किया गया। तख्त सागर जोधपुर की शुष्क जलवायु में जल प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- यह जलाशय स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

नदी और बाँध का कौन-सा युग्म सही नहीं है?

सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा - 27.05.2019

(a) कोठारी –मेजा
(b) चंबल - गाँधी सागर
(c) बनास- बीसलपुर
(d) मोरेल- पाँचना

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- मोरेल बाँध –पांचना युग्म गलत है। पांचना बाँध गंभीरी नदी पर करौली में है।
- कोठारी–मेजा सही है; मेजा बाँध भीलवाड़ा में कोठारी नदी पर है।
- बनास–बीसलपुर सही है; बीसलपुर बाँध टोंक में बनास नदी पर है।
- गाँधी सागर बाँध चंबल नदी पर मध्यप्रदेश में स्थित है।
- मोरेल बाँध धौलपुर में है, जो मोरेल नदी पर है। अतः विकल्प -(d) इसका सही उत्तर है।

गाँधी सागर बाँध किस नदी पर बनाया गया है?

Police Constable Exam-2007

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) -2019

(a) चम्बल
(b) पश्चिम बनास
(c) माही
(d) बाण गंगा

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- गाँधी सागर बाँध चंबल नदी पर मध्यप्रदेश में बनाया गया है। यह मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है।
- यह चंबल घाटी परियोजना का हिस्सा है, जो सिंचाई और बिजली उत्पादन में योगदान देता है।
- चंबल नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से होकर बहती है।

मेजा बाँध कौनसी नदी पर निर्मित किया गया?

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019

Lab Assistant (Science) -28.06.2022

(a) बनास नदी (b) कोठारी नदी
(c) पार्वती नदी (d) मेज नदी

उत्तर:- (b)

◪ भाखड़ा-नांगल परियोजना राजस्थान की किन राज्यों के साथ संयुक्त परियोजना है?

Junior Instructor (COPA) Exam 2024

a. पंजाब **b. हिमाचल प्रदेश**
c. हरियाणा **d. उत्तर प्रदेश**

(a) केवल a और b (b) केवल a और d
(c) केवल a और c (d) केवल c और d

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- भाखड़ा–नांगल परियोजना पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।
- इस परियोजना का शिलान्यास सतलज नदी पर 17 नवम्बर 1955 को किया गया।
- यह भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना है।
- **हिमाचल प्रदेश** केवल जल विद्युत उत्पादन में शामिल है। उत्तर प्रदेश इस परियोजना का हिस्सा नहीं है।
- यह सिंचाई और बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण है।
- इस परियोजना में राजस्थान का सहयोग 15.22% है।
- इस परियोजना से राजस्थान का सर्वाधिक लाभान्वित जिला हनुमानगढ़ है।

इस परियोजना में 2 बांध बनाये गये है।

1. भाखड़ा बांध (Bhakra Dam)-

स्थित- बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश
नदी- सतलज
ऊँचाई- 226 मीटर

- जवाहर लाल नेहरू ने भाखड़ा बांध को "**भारत की चमत्कारी विराट वस्तु**" (The Miraculous Things of India) कहा है।
- यह भारत का सबसे ऊंचा गुरुत्वीय बांध है।

विशेष- भारत का सबसे ऊंचा बांध टिहरी बांध है। (260 मीटर)
इस बांध के पीछे हिमाचल प्रदेश में गोविंद सागर झील स्थित है।

2. नांगल बांध (Nangal Dam)-

स्थित- रोपड़, पंजाब (रोपड़ को वर्तमान में रूपनगर कहा जाता है।)
नदी- सतलज
इस बांध से दो नहरे निकाली **गई है। जैसे-**

(I) बिस्त नहर (Bist Canal)- दांयी नहर
(II) भांखड़ा नहर (Bhakra Canal)- बांयी नहर

- बिस्त नहर का विस्तार पंजाब में है।
- भाखड़ा नहर का विस्तार पंजाब, हरियाणा व राजस्थान में है।
- राजस्थान में भाखड़ा नहर का विस्तार हनुमानगढ़ तक है।
- नोट :- इस परियोजना से राजस्थान में 2.3 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है।

◪ व्यास परियोजना किन राज्यों की संयुक्त परियोजना है?

Junior Instructor (Wireman) Exam 2024

(a) पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
(b) राजस्थान, पंजाब, गुजरात
(c) राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश
(d) पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- व्यास परियोजना पंजाब, हरियाणा, और राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।
- यह रावी और व्यास नदियों के अतिरिक्त जल का उपयोग करती है।
- हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी पर दो बाँध हैं: पंडोह बाँध (मण्डी) और पोंग बाँध (काँगड़ा)।
- ये बाँध सिंचाई और बिजली उत्पादन में योगदान देते हैं।
- गुजरात और उत्तर प्रदेश इस परियोजना का हिस्सा नहीं हैं।
- राजस्थान को इस परियोजना से लाभ इंदिरा गांधी नहर परियोजना (Indira Gandhi Nahar Project– IGNP) के माध्यम से मिलता है।

- राजीव गांधी-लोंगोवाला समझौता (1985) व इराड़ी आयोग (1986) का संबंध व्यास परियोजना से है।

इस परियोजना में 2 बांध बनाये गये है। जैसे-

1. पोंग बांध (Pong Dam)-

स्थित- हिमाचल प्रदेश

नदी- व्यास

- पोंग बांध में राजस्थान का लाभ 59% है।
- पोंग बांध को व्यास बांध भी कहा जाता है।
- पोंग बांध को राणा प्रताप सागर बांध भी कहा जाता है।
- जब शीत ऋतु में इंदिरा गांधी नहर परियोजना (Indira Gandhi Nahar Pariyojana-IGNP) में पानी की कमी होती है तब IGNP को जलापूर्ति पोंग बांध से की जाती है।

2. पंडोह बांध (Pandoh Dam)-

स्थित- हिमाचल प्रदेश

नदी- व्यास

- पंडोह बांध में राजस्थान का लाभ 20% है।

◪ निम्नलिखित में से कौन-सा बाँध चंबल परियोजना से संबंधित नहीं है?

Junior Instructor (Wireman) - 2024

(a) गांधी सागर (b) कोटा बैराज
(c) जवाहर सागर (d) पोंग बाँध

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- गांधी सागर, कोटा बैराज और जवाहर सागर चंबल घाटी परियोजना के बाँध हैं।
- गांधी सागर मध्यप्रदेश में, जबकि कोटा बैराज और जवाहर सागर राजस्थान में हैं।
- पोंग बाँध हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी पर है।
- चंबल परियोजना मध्यप्रदेश और राजस्थान का संयुक्त उद्यम है।
- ये बाँध सिंचाई और बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण हैं।
- **चंबल बहुउद्देशीय परियोजना (Chambal Multipurpose Project)–**

नदी– चम्बल

सहयोग– राजस्थान व मध्य प्रदेश (50 : 50)

- इस परियोजना में कुल 386 MW (115 MW + 172 MW + 99 MW) जल विद्युत उत्पादित होती है। जिसमें 193 MW राजस्थान को तथा 193 MW मध्य प्रदेश को वितरित की जाती है।
- चम्बल नदी पर सर्वाधिक बांध राजस्थान में स्थित है।
- इस परियोजना का सबसे ऊंचा व सबसे बड़ा बांध गांधी सागर बांध है।
- **इस परियोजना में 3 चरणों में 4 बांधों का निर्माण किया गया।**

जैसे-

1. पहला चरण- गांधी सागर बांध, कोटा बैराज
2. दूसरा चरण- राणा प्रताप सागर बांध
3. तीसरा चरण- जवाहर सागर बांध या कोटा बांध

◪ किस राजस्थान परियोजना को जुलाई 2023 में राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिला?

Animal Attendant 2024 Exam

(a) पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना
(b) गोमुखी मीडियम कैनाल
(c) अपर राजस्थान भादरा
(d) आनंदपुर बैराज

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) को जुलाई 2023 में राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा मिला।
- यह परियोजना पार्वती, कालीसिंध, और चंबल नदियों को जोड़ती है।
- यह राजस्थान और मध्यप्रदेश के 13 जिलों में जल संकट को कम करेगी।
- अन्य विकल्पों को राष्ट्रीय दर्जा नहीं मिला।
- ERCP क्षेत्र की सिंचाई और जल आपूर्ति को बढ़ाएगी।
- **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (Eastern Rajasthan Canal Project– ERCP)–**
- **संभावित बजट–** 37,500 करोड़ रुपये
- वर्तमान में यह परियोजना निर्माणाधीन है।

लाभान्वित क्षेत्र-

(I) भरतपुर संभाग- भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर
(II) कोटा संभाग- कोटा, बूंदी, बारा, झालावाड़
(III) अजमेर संभाग- अजमेर, टोंक
(IV) जयपुर संभाग- जयपुर, दौसा, अलवर

09 राजस्थान में वनस्पति

भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान में तीन प्रकार के प्रमुख वन पाये जाते हैं-

वनों के प्रकार

- उष्ण कटिबन्धीय कंटीले वन
- उष्ण कटिबन्धीय शुष्क पतझड़ वाले वन
- उपोष्ण पर्वतीय वन या अर्द्ध उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन

क्र सं.	वन	क्षेत्र प्रतिशत (%)	वर्षा	स्थान	प्रमुख वृक्ष
1.	अर्द्ध उष्ण कटबंधीय सदाबहार वन (उपोष्ण पर्वतीय वन)	0.39%	125 सेमी.	सिरोही के माउंट आबू	सिरिस, बाँस, बेल, जामुन, रोहिड़ा
2.	शुष्क सागवान वन (सागवान वन)	6.86%	75–110 सेमी.	बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, दक्षिणी उदयपुर, आबू पर्वत, कोटा, बारा, सलूम्बर, झालावाड़	देशी सागवान, आम, तेंदु, गूलर, महुआ, साल, बैर
3.	ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क/मिश्रित पतझड़ वन	28.38%	50–80 सेमी.	उदयपुर, बाँसवाड़ा, सिरोही, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, झालावाड़, डूंगरपुर, बूँदी, अलवर, टोंक, अजमेर	आम, धोकड़ा, तेंदु, सालर, बाँस, ओक, केर, ढाक (पलाश), गूलर, बरगद
4.	उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन/ धोंकड़ा वन	58.11%	80-100 सेमी.	अलवर, करौली, भृर्तहरी नगर, कोटा, बूंदी,जयपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ आदि।	धोकड़ा, खैर, पलाश, बरगद, तेंदू, नीम
5.	उष्ण कटिबंधीय कांटेदार वन	6.26%	25 सेमी. से कम	जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, जोधपुर, पाली, अजमेर, सिरोही, हनुमानगढ़	रोहिड़ा, खेजड़ी, बबूल, थूहर, कीकर, बेर, फोग, घास (सेवण, धामण,करड़)

राजस्थान में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना कब हुई?

ARO (Horticulture) 29.8.2022

(a) 2010
(b) 2018
(c) 2019
(d) 2020

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- राजस्थान में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना 2019 में हुई।
- इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- यह निदेशालय नीतियों के कार्यान्वयन और जागरूकता कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह निदेशालय राजस्थान की पर्यावरणीय चुनौतियों, जैसे मरुस्थलीकरण से निपटने में सहायक है।

राजस्थान सरकार ने जलवायु परिवर्तन नीति कब शुरू की?

Asst. Professor-7.1.2024

(a) 2010 (b) 2021
(c) 2018 (d) 2023

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- राजस्थान सरकार ने जलवायु परिवर्तन नीति 2023 में शुरू की।
- यह नीति जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, जैसे सूखा और मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए रणनीतियाँ प्रदान करती है।
- यह नीति राजस्थान की पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण है।

राजस्थान की पहली वन नीति का अनुमोदन कब हुआ?

III Grade (L-1)-25.2.2023

(a) फरवरी, 2010 (b) मार्च, 2011
(c) अगस्त, 2010 (d) सितम्बर, 2011

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- राजस्थान की पहली वन नीति का अनुमोदन फरवरी 2010 में हुआ।
- यह नीति वन संरक्षण, वनीकरण, और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देती है।
- इसका उद्देश्य राज्य के सीमित वन क्षेत्र को बढ़ाना और मरुस्थलीकरण को रोकना है।

राजस्थान वन नीति 2023 में वन आवरण का लक्ष्य कितना है?

शोध अध्येता परीक्षा-04.08.2024

(a) 30% (b) 40%
(c) 10% (d) 20%

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- राजस्थान वन नीति 2023 के अनुसार, अगले 20 वर्षों में वन आवरण को भौगोलिक क्षेत्र के 20% तक बढ़ाने का लक्ष्य है।
- वर्तमान में राज्य का वन आवरण लगभग 4.87% है।
- यह नीति वनीकरण, मरुस्थलीकरण रोकथाम, और जैव विविधता संरक्षण पर केंद्रित है।
- यह लक्ष्य पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।

नोट:

वन विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, राजस्थान में कुल अभिलेखित वन क्षेत्र (Recorded Forest Area) 33,014 वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.64% है।
वन विभाग, राजस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार, राज्य में प्रति व्यक्ति औसत वन एवं वृक्ष आवरण 0.037 हेक्टेयर है।
राजस्थान वन विभाग की स्थापना वर्ष 1950 में की गई थी।

31 मार्च 2022 को संरक्षित वनों का सर्वाधिक क्षेत्रफल किस जिले में था?

Assistant Archivist-03.08.2024

(a) करौली (b) बाँसवाड़ा
(c) बाराँ (d) उदयपुर

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- 31 मार्च 2022 तक बाराँ जिले में संरक्षित वनों का सर्वाधिक क्षेत्रफल था।
- बाराँ में घने जंगल और संरक्षित वन क्षेत्र, जैसे मिश्रित पर्णपाती वन, प्रचुर मात्रा में हैं।
- करौली, बाँसवाड़ा, और उदयपुर में संरक्षित वन क्षेत्र कम है।

यह जिला जैव विविधता संरक्षण और वन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मिश्रित पतझड़ वन किन जिलों में पाए जाते हैं?

Fireman Exam-29.1.2022

(a) उदयपुर, कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही
(b) प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, नागौर
(c) अजमेर, पाली, सिरोही, चूरू
(d) अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जालौर

उत्तर:- (a)

राजस्थान के वन्यजीव

राजस्थान में वन एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु प्रयास

- राजस्थान सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण व चेतना के क्षेत्र में अमृता देवी स्मृति पुरस्कार दिया जाता है।
- **1910 में जोधपुर** रियासत ने सर्वप्रथम वन संरक्षण हेतु योजना बनाई।
- **1935 में अलवर** रियासत ने **वन अधिनियम** बनाया।
- 1951 में राजस्थान में वन्य जीवों की सुरक्षा हेतु **'राजस्थान वन्य पशु एवं पक्षी संरक्षण अधिनियम 1951'** में लागू किया गया।
- राजस्थान निर्माण के पश्चात् **1953** में वनों की सुरक्षा हेतु वन अधिनियम पारित किया गया।
- 1 सितम्बर 1973 को राजस्थान सरकार द्वारा **'भारतीय वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम, 1972'** लागू किया गया, जिसके तहत् राज्य में वन्य जीवों के **शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध** लगा दिया गया।

राजस्थान के प्रमुख बायोलॉजिकल पार्क (जैविक उद्यान)-

क्र.	**सफारी / जैव उद्यान का नाम**	**स्थान**	**लोकार्पण तिथि**
1	सज्जनगढ़	उदयपुर	12 अप्रैल, 2015
2	माचिया सफारी	जोधपुर	20 जनवरी, 2016
3	नाहरगढ़	जयपुर	4 जून, 2016
4	अभेड़ा	कोटा	—

नोट-

1. **मरुधरा जैविक उद्यान बीकानेर (बीछवाल) में निर्माणाधीन है।**
2. बजट घोषणा 2024-25 में अलवर में बायोलॉजिकल पार्क बनाया जाना प्रस्तावित है।
3. जयपुर व उदयपुर जंतुआलयों को बर्ड पार्क के रूप में विकसित किया गया है।

राजस्थान के अन्य पार्क-

क्र.	**पार्क / उद्यान का नाम**	**स्थान**
1	जैव विविधता पार्क	गमधर वन क्षेत्र (उदयपुर)
2	प्रकृति (Nature) पार्क	चूरू, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)
3	कैक्टस गार्डन	कुलधारा (जैसलमेर)
4	बटरफ्लाई पार्क	अम्बेरी (उदयपुर)
5	बोगनवेलिया थीम पार्क	जयपुर, उदयपुर
6	डेजर्ट पार्क	किशनबाग (जयपुर)
7	ऑक्सी-जोन पार्क	कोटा
8	विश्व वानिकी उद्यान	जयपुर
9	प्रथम पारिस्थितिकी मित्र संभाग	माउंट आबू
10	हर्बल गार्डन	अजमेर
11	नौलखा किला स्मृति वन	झालावाड़

नोट- फतेहपुर सीकर में सिटी नेचर पार्क का निर्माण तथा नानी बीड़ सीकर को ईकोलॉजी पार्क व पक्षी विहार के रूप में विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

नोट- Monkey Valley of Rajasthan- गलता जी (जयपुर)

राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण्य			
क्र. सं.	**अभयारण्य का नाम**	**जिला**	**वन्य जीव व अन्य विवरण**
1.	राष्ट्रीय मरू उद्यान वन्यजीव अभयारण्य (जीवाश्म उद्यान)	जैसलमेर, बाड़मेर	**गोडावण**, चिंकारा, **आकल वुड फॉसिल पार्क,** राज्य का सबसे बड़ा अभयारण्य
2.	कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य	सवाई माधोपुर, करौली	बघेरा, भेड़िया, चीत्तल, खरगोश, बांणगंगा एवं गम्भीर नदी
3.	कुंभलगढ़ वन्य जीव अभयारण्य	राजसमंद, पाली, उदयपुर	भेड़िया, बाघ, भालू, चिंकारा, नीलगाय
4.	फुलवारी की नाल वन्यजीव अभयारण्य	उदयपुर	बाघ, चीत्तल, सियार, भेड़िया
5.	सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य	अलवर	हरे कबूतर, रीसस बन्दर, बाघ, सांभर, भर्तृहरि,पांडुपोल मन्दिर
6.	टॉडगढ़ रावली वन्यजीव अभयारण्य	राजसमंद, पाली, अजमेर	तेंदुआ, भालू, बाज, सियार, रीछ
7.	सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य	प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ, उदयपुर	**उड़न गिलहरी,** चौसिंगा, जाखम नदी
8.	माउण्ट आबू वन्यजीव अभयारण्य	सिरोही	रीछ, जंगली मुर्गा, चिंकारा
9.	रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य	बूंदी	विषधारी साँप, **बाघों का जच्चा घर,** रीछ
10.	जमुवारामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य	जयपुर	बघेरा, सियार, जरख, भेड़िया
11.	राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य	कोटा, सवाईमाधोपुर, करौली, धौलपुर (चम्बल नदी किनारे)	**- घड़ियाल (मगरमच्छ) के लिए प्रसिद्ध.** भेड़िया, सियार, लोमड़ी
12.	जवाहर सागर वन्यजीव अभयारण्य	कोटा, बूंदी, चित्तौड़गढ़	**घड़ियाल** के लिए प्रसिद्ध (चम्बल नदी क्षेत्र कोटा)
13.	तालछापर वन्यजीव अभयारण्य	चूरू (सुजानगढ़)	काले हिरण व कुरंजा पक्षी
14.	दर्रा वन्यजीव अभयारण्य	कोटा, झालावाड़	गागरोनी तोते व थोकड़ा वन

11 राजस्थान में कृषि

◪ **राजस्थान राज्य को _____ जलवायु कृषि-प्रदेशों में विभक्त किया गया है –**
Junior Instructor (MDE) Exam 2024
(a) 7 (b) 9
(c) 5 (d) 10

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- राजस्थान को 10 कृषि–जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया गया है।
- यह विभाजन सिंचाई उपलब्धता मृदा की उर्वरता जलवायु आदि के आधार पर किया गया है।
- प्रत्येक क्षेत्र की कृषि संभावनाएँ अलग हैं।
- यह विभाजन कृषि योजना में सहायक है।

राजस्थान को कुल 10 कृषि जलवायु प्रदेशों में बांटा गया है।

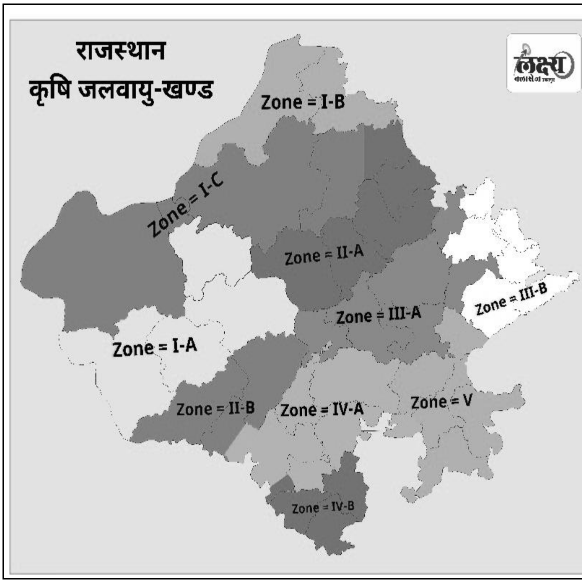

क. स.	कृषि जलवायु क्षेत्र	सम्मिलित जिले	क्षेत्रफल (मि. है)	वर्षा (सेमी)	मृदा	मुख्य फसलें	
						खरीफ	रबी
1.	**शुष्क पश्चिमी मैदान क्षेत्र (IA)**	जोधपुर फलौदी, बाड़मेर एवं बालोतरा	4.74	20-37	मरुस्थलीय	बाजरा, मोठ व तिल	गेहूं, सरसों एवं जीरा
2.	**उत्तरी पश्चिमी सिचित मैदानी क्षेत्र (I-B)**	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़	2.10	10-35	जलोढ़	कपास एवं ग्वार	गेहूं, सरसों एवं चना
3.	**अति शुष्क, आंशिक सिंचित पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (I-C) (नवीनतम)**	बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू आंशिक	7.70 (सर्वाधिक)	10-35	मरुस्थलीय	बाजरा, मोठ एवं ग्वार	गेहूं, सरसों एवं चना
4.	**अन्तः स्थलीय जलोत्सरण के अन्तवर्ती मैदानी क्षेत्र (II-A**	नागौर, सीकर, झुन्झुनू, चूरू डीडवाना-कुचामन	3.69	30-50	रेतीली चूनायुक्त व लाल	बाजरा, ग्वार एवं दलहन	सरसों एवं चना

5.	**लूनी नदी का अन्तवर्ती गैवानी क्षेत्र (II-D)**	जालौर, पाली, ब्यावर आंशिक, सिरोही आंशिक	3.0	30-50	लाल मरुरथलीय व सीरोजम	बाजरा, ग्वार एवं तिल	गेहूं एवं सरसों
6.	**अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र (III-A)**	जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक, ब्यावर (आंशिक), खैरथल तिजारा, कोटपुतली-बहरोड	2.96	50-70	सीरोजम	बाजरा, ग्वार एवं ज्वार	गेहूं सरसों एवं चना
7.	**बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र (III-B)**	अलवर, धौलपुर, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, डीग	2.77	50-70	जलोढ़	बाजरा, ग्वार एवं मूंगफली	गेहूं जौ, सरसों एवं चना
8.	**आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (IV-A)**	भीलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, उदयपुर एवं सिरोही आंशिक	3.36	50-90	जलोढ़ व पर्वतपदीय लिथोसोल	मक्का, दलहन एवं ज्वार	गेहूं एवं चना
9.	**आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (IV-B)**	डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़ आशिक	1.72	50-110	लाल पर्वतीय	मक्का, चावल, ज्वार एवं उड़द	गेहूं एवं चना
10	**आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी क्षेत्र (V)**	कोटा, झालावाड़, बून्दी, बारां	2.70	65-110	काली जलोढ़	ज्वार एवं सोयाबीन	गेहूं एवं सरसों

राजस्थान के पशुधन

◪ **निम्नलिखित में से कौन-सी भेड़ की नस्लें हैं -**
Junior Instructor (COPA) Exam 2024

1. मगरा **2. चोकला**
3. जैसलमेरी **4. मालपुरा**

निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें:

(a) केवल 2, 3 और 4 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) सभी 1, 2, 3 और 4

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- मगरा, चोकला, जैसलमेरी और मालपुरा राजस्थान की प्रमुख भेड़ की नस्लें हैं।

राजस्थान में भेड़ की प्रमुख नस्लें-

1. मगरा भेड़-
उपनाम- चकरी भेड़, बीकानेरी चोखला।

- राजस्थान में मगरा भेड़ सर्वाधिक **बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर** जिलों में पायी जाती है।
- मगरा भेड़ की ऊन से **कालीन (चटाई)** बनाई जाती है।

2. मारवाड़ी भेड़-
विशेषता-

- राजस्थान में मारवाड़ी भेड़ सर्वाधिक जैसलमेर, जोधपुर, जयपुर, जालोर, बाड़मेंर, झुन्झुनू, दौसा, सीकर, पाली जिलों में पायी जाती है।
- राजस्थान में **सर्वाधिक (50 प्रतिशत) मारवाड़ी नस्ल** की भेड़ पायी जाती है।
- सभी भेड़ों में से सर्वाधिक रोग प्रतिरोधक क्षमता मारवाड़ी भेड़ की होती है।

3. चोकला भेड़-
उपनाम- छापर भेड़, शेखावाटी भेड़

- राजस्थान में चोकला भेड़ सर्वाधिक शेखावाटी, बीकानेर, नागौर, जयपुर में पायी जाती है।
- भारत एवं राजस्थान में **चोकला भेड़ की सर्वश्रेष्ठ ऊन** मानी जाती है इसीलिए चोकला भेड़ को **भारत की मेरीनो** भी कहते है।

4. सोनारी भेड़-
उपनाम- चनोथर भेड़

- राजस्थान में सोनारी भेड़ सर्वाधिक बूंदी, झालावाड़, कोटा, उदयपुर जिलों में पायी जाती है।
- सोनारी भेड़ के **कान चरते वक्त जमीन** को छुते है।

5. जैसलमेरी भेड़-

- राजस्थान में जैसलमेरी भेड़ जैलमेर जिले में पायी जाती है।
- राजस्थान में **सर्वाधिक ऊन** देने वाली **भेड़ जैसलमेरी** है।
- राजस्थान में **सबसे लम्बी ऊन भी जैसलमेरी भेड़** की है।

6. खेरी भेड़-

- राजस्थान में खेरी भेड़ सर्वाधिक जोधपुर, नागौर तथा पाली जिलों में पायी जाती है।
- **खेरी भेड़** राजस्थान में **सफेद ऊन** के लिए प्रसिद्ध है।

7. बागड़ी भेड़-

- राजस्थान में बागड़ी भेड़ अलवर जिले में पायी जाती है।
- बागड़ी भेड़ का **मुंह** बिलकुल **काला** होता है।

8. मालपुरा भेड़/मालपुरी-

- राजस्थान में मालपुरा भेड़ सर्वाधिक टोंक, सवाई माधोपुर तथा जयपुर जिलों में पायी जाती है।

9. पूगल भेड़-

- राजस्थान में पूगल भेड़ **बीकानेर, जैसलमेर तथा नागौर** जिलों में पायी जाती है।

10. नाली भेड़-

- यह भेड़ राजस्थान में **सर्वाधिक गंगानगर तथा हनुमानगढ़** में पायी जाती है।

◪ **चोकला नस्ल है –**
Junior Instructor (WCS) Exam 2024

(a) गोवंश (b) भैंस
(c) भेड़ (d) बकरी

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- चोकला राजस्थान की भेड़ नस्ल है।
- इस नस्ल को कालीन ऊन प्राप्ति के लिए पाला जाता है।
- यह सर्वश्रेष्ठ कालीन ऊन के लिए जानी जाती है।
- इसे भारत की **मेरिनो** भी कहा जाता है।
- यह सबसे उत्तम किस्म की ऊन देने वाली नस्ल है। यह प्रतिवर्ष 1 से 1.5 किलो तक ऊन देती है।
- **प्रमुख क्षेत्र –** चुरू, सीकर, झुन्झुनू।

◪ **'राठी' _____ की प्रसिद्ध नस्ल है –**

Junior Instructor (RAT) Exam 2024

(a) ऊँट (b) गाय
(c) बकरी (d) भेड़

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- राठी राजस्थान और हरियाणा की दुधारू गाय नस्ल है।
- यह लाल सिंधी व साहीवाल की मिश्रित नस्ल है।
- इस नस्ल की गायें अत्यधिक दूध देती है इस कारण इसे राजस्थान की **कामधेनु** कहा जाता है।
- **प्रमुख स्थान –** यह राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी भागों में बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर व चूरू के कुछ भागों में पाली जाती है।
- इस नस्ल के बैलों में भार वहन क्षमता कम होती है।

◪ **पूगल एक प्रसिद्ध नस्ल है –**

Junior Instructor (MDE) Exam 2024

(a) भैंस की (b) ऊँट की
(c) गाय की (d) भेड़ की

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- पूगल भेड़ की नस्ल है, जो बीकानेर में पाई जाती है।
- इसका उत्पत्ति स्थान बीकानेर की तहसील "पूगल" होने के कारण इस का नाम पूगल हो गया।
- इस नस्ल को मटन और कालीन ऊन प्राप्ति के लिए पाला जाता है।

◪ **कच्छी नस्ल है –**

Junior Instructor (ESR) Exam 2024

(a) घोड़ा की (b) भेड़ की
(c) बकरी की (d) ऊँट की

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
- कच्छी ऊँट की नस्ल है, जो गुजरात के कच्छ क्षेत्र में पाई जाती है।
- राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसका प्रजनन होता है।
- यह परिवहन और दूध उत्पादन के लिए उपयोगी है।

राजस्थान के ऊँट से जुड़े कुछ मुख्य बिंदु
- राजस्थान सरकार ने 30 जून 2014 को ऊँट को राजस्थान के राज्य पशु का दर्जा दिया था। जिसकी घोषणा 19 सितम्बर 2014 को बीकानेर में की गई।
- राजस्थान में सर्वाधिक ऊँटों वाला जिला **बाड़मेर** तथा सबसे कम ऊँटों वाला जिला **प्रतापगढ़** है।
- **राजस्थान में ऊँटों की नस्लें –** गोमठ ऊँट, नाचना ऊँट, जैसलमेरी ऊँट, अलवरी ऊँट, सिंधी ऊँट, कच्छी ऊँट, बीकानेरी ऊँट, **खराई नस्ल** आदि।
- भारत के समस्त ऊंटों (2.5 लाख) का **85.2 प्रतिशत** भाग राजस्थान में पाया जाता है।

◪ **सर्वाधिक उपयुक्त जोड़ मिलाइये –**

Junior Instructor (Fitter) Exam 2024

प्राणी	नस्ल
a. गाय (ज़ेबुइन मवेशी)	i. मालपुरा
b. भैंस	ii. जमनापारी
c. बकरी	iii. मुर्रा
d. भेड़	iv. काँकरेज

(a) a-ii, b-i, c-iv, d-iii
(b) a-iv, b-iii, c-ii, d-i
(c) a-i, b-ii, c-iii, d-iv
(d) a-i, b-iv, c-iii, d-ii

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- गाय: काँकरेज; भैंस: मुर्रा; बकरी: जमनापारी; भेड़: मालपुरा अत: **विकल्प (b)** इसका सही उत्तर है।
- ये नस्लें दूध, मांस और ऊन के लिए प्रसिद्ध हैं।

(a) कांकरेज

उद्गम - कच्छ का रन।
- इस नस्ल के बैल अच्छे भार वाहक होते हैं। इसी कारण इस नस्ल के गौ-वंश को **"द्वि-परियोजनीय नस्ल"** कहते है।

राजस्थान के खनिज संसाधन

धात्विक खनिज

लौह खनिज : कोबाल्ट, क्रोमाइट, लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल, टंगस्टन, टाइटेनियम आदि।

अलौह खनिज : सोना, चांदी, प्लेटिनम, सीसा-जस्ता, टिन, तांबा बॉक्साइट, एल्युमिनियम, पारा आदि।

अधात्विक खनिज

बहुमूल्य पत्थर: पन्ना, हीरा, तामड़ा इत्यादि।

इमारती पत्थर: संगमरमर, ग्रेनाइट, सैण्ड स्टोन इत्यादि।

ऊर्जा खनिज : प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम, कोयला इत्यादि।

आण्विक खनिज : यूरेनियम, थोरियम, अभ्रक, लिथियम इत्यादि।

उर्वरक खनिज : जिप्सम, रॉक फास्फेट, पोटाश, पाइराइट्स इत्यादि।

क्ले खनिज: फायर कले, बॉल कले, चाइना कले, मुल्तानी मिट्टी इत्यादि।

अन्य खनिज: ऐस्बेस्टॉस, गेरु, फेल्यापार इत्यादि।

विभिन्न खनिजों के उत्पादन में राजस्थान का प्रतिशत अंश

क्र.	खनिज का नाम	राजस्थान का राष्ट्रीय उत्पादन में प्रतिशत अंश (%)
1	जिप्सम	93%
2	एस्बेस्टोस	89%
3	घीया पत्थर / सोप स्टोन	85%
4	रॉक फॉस्फेट	90%
5	फेल्सपार	70%
6	केल्साइट	70%
7	वुल्फ्रेमाइट	50%
8	तांबा	**36% (भंडारण 54%)**
9	अभ्रक	22%

नोट: राजस्थान के एकाधिकार (100%) वाले खनिज

सीसा जस्ता, सेलेनाइट, वॉलेस्टोनाइट

निम्नलिखित में से कौन सा खनिज (Mineral) बाँसवाड़ा जिले के लीलवानी एवं नराड़िया क्षेत्र में पाया जाता है -

AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM - 2024

(a) सोना
(b) जस्ता
(c) मैंगनीज़
(d) बेरिलियम

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- **बाँसवाड़ा जिले** के लीलवानी एवं नराड़िया क्षेत्र में **मैंगनीज़** पाया जाता है।
- मैंगनीज़ एक रासायनिक तत्व है। प्रकृति में यह शुद्ध रूप में नहीं मिलता बल्कि अन्य तत्वों के साथ बने यौगिकों में मिलता है, जिनमें अक्सर लोहे के यौगिक शामिल होते हैं।
- **मैगनीज के मुख्य अयस्क (Ore)** साइलोमैलीन, ब्रोनाइट, पाइरोलुसाइट है।
- **मैग्नीज का उपयोग –** इस्पात और रासायनिक उद्योग में बैटरी, कांच, सिरेमिक, कृत्रिम उर्वरक, ऑटो पेंट, दुर्दम्य, दवा, सीमेंट, पेट्रो रसायन आदि में तथा शुष्क सेल के निर्माण में होता है। इस्पात में मिलाये जाने पर यह ज़ंगरोधी का कार्य करता है।

राजस्थान के प्रमुख मैंगनीज़ उत्पादक क्षेत्र

क्र सं	जिला	स्थान
1	बांसवाड़ा (सर्वाधिक भण्डार)	लीलवानी, तलवाड़ा, सागवा, तामेसर, कालाबूटां
2	उदयपुर	देबारी, स्वरूपपुरा, नगेड़िया
3	राजसमंद	नाथद्वारा

◪ **राजस्थान में खेतड़ी खदान निम्न में से किसकी प्रमुख उत्पादक हैं –**
Junior Instructor (Wireman)-2024
(a) ताँबा (b) बॉक्साइट
(c) लौह अयस्क (Ore) (d) अभ्रक

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- खेतड़ी (झुंझुनू) राजस्थान की प्रमुख ताँबा खदान है।
- **तांबे का उपयोग –** विद्युत सुचालक होने के कारण तांबे का मुख्य उपयोग विद्युत उपकरण एवं विद्युत उद्योग में तारों, विद्युत उपकरणों (विद्युत मोटरें, ट्रान्सफर व जेनरेटर) आदि में किया जाता है।
- मिश्रधातु के रूप में इसका उपयोग पीतल, कांसा तथा स्टेनलेस स्टील बनाने में प्रमुखता से किया जाता है।

◪ **खो-दरीबा खानें ____ के लिए जानी जाती हैं –**
Junior Instructor (Wireman) Exam 2024
(a) ताँबा
(b) लौह-अयस्क (Ore)
(c) जस्ता
(d) सीसा और जस्ता

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- **खो-दरीबा (अलवर)** ताँबा खनन के लिए प्रसिद्ध है।
- मानव सभ्यता के विकास में ताँबे का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। ताँबा शुद्ध रूप से बहुत लचीला होने से आयातवर्धनीय एवं तन्यता युक्त धातु है।
- **तांबे** को अन्य धातुओं के साथ मिलाकर अनेक **मिश्र धातुएँ** बनाई जाती है। जैसे :
  ताँबा + एल्यूमिनियम = पीतल
  ताँबा + राँगा = काँसा
  ताँबा + निकिल = जर्मन सिल्वर
  ताँबा + सोना = रोल्ड गोल्ड
- **राजस्थान के प्रमुख तांबा उत्पादक क्षेत्र –** देश में सर्वाधिक लगभग **54 प्रतिशत कॉपर** के भण्डार **राजस्थान** में हैं। इसके बाद झारखण्ड तथा मध्यप्रदेश का स्थान आता है।

राजस्थान के प्रमुख तांबा (कॉपर)उत्पादक क्षेत्र

क्र. सं.	जिला	स्थान
1.	झुंझुनू (सर्वाधिक भण्डार)	खेतड़ी, सिंघाना
2.	उदयपुर	देबारी, देलवाड़ा
3.	सलूम्बर	सलूम्बर
4.	राजसमन्द	भीम रेलमगरा
5.	अलवर	खो दरीबा, थानागाजी, कुशलगढ़, सेनपरी तथा भगत का बास
6.	बीकानेर	बीदासर

◪ **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए –**
RPSC EO/RO Re-Exam - 2022

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(A) लौह अयस्क	**(i) रेवत पहाड़ियाँ**
(B) मैंगनीज	**(ii) काली पहाड़ी**
(C) टंगस्टन	**(iii) सागवाड़ा**
(D) बेरिलियम	**(iv) काला खूंटा**

कूट -
(a) A-iii, B-i, C-ii, D-iv
(b) A-ii, B-iii, C-iv, D-i
(c) A-iv, B-ii, C-iii, D-i
(d) A-ii, B-iv, C-i, D-iii

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-
राजस्थान में प्रमुख खनिज (Mineral) और उनके स्रोत:

खनिज	प्रमुख स्थान (स्रोत)	ज़िला/क्षेत्र
लौह अयस्क	काली पहाड़ी	बूंदी/करौली क्षेत्र
मैंगनीज	काला खूंटा	बांसवाड़ा
टंगस्टन	रेवत पहाड़ियाँ	डूंगरपुर
बेरिलियम	सागवाड़ा	डूंगरपुर

◪ **राजस्थान में प्रथम चीनी मिल किस वर्ष में स्थापित की गई -**

AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM – 2024

(a) 1932 (b) 1937
(c) 1965 (d) 1976

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- राजस्थान में प्रथम चीनी मिल 1932 में **मेवाड़ शुगर मिल्स, भूपालसागर (चित्तौड़गढ़)** में स्थापित की गई थी।
- यह मिल गन्ना आधारित चीनी उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण थी और राजस्थान के औद्योगिक इतिहास में एक मील का पत्थर है।

मेवाड़ शुगर मिल (Mewar Sugar Mill)-
- मेवाड़ शुगर मिल या मेवाड़ चीनी मिल राजस्थान की पहली शुगर मिल है।
- मेवाड़ शुगर मिल राजस्थान में निजी क्षेत्र (Private Sector) की मिल है।

◪ **राजस्थान का कौन-सा शहर शुगर मिल (चीनी मिल) से संबंधित प्रदूषण के गंभीर मामलों का सामना कर रहा है –**

Junior Instructor (COPA) Exam 2024

(a) अलवर (b) सिरोही
(c) गंगानगर (d) कोटा

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- गंगानगर में चीनी मिलों से जल और वायु प्रदूषण की गंभीर समस्याएँ देखी गई हैं।
- यह क्षेत्र गन्ना उत्पादन और चीनी मिलों के लिए जाना जाता है, लेकिन अपशिष्ट प्रबंधन की कमी से पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।

श्री गंगानगर शुगर मिल (Sri Ganganagar Sugar Mill)-

स्थित (Located)- कमीनपुरा, श्री गंगानगर, राजस्थान

स्थापना (Established in)- 1937 ई.

- श्री गंगानगर शुगर मिल स्थापना के समय निजी क्षेत्र (Private Sector) की शुगर मिल थी।
- श्री गंगानगर शुगर मिल को **1956** में सार्वजनिक क्षेत्र (Public Sector) में शामिल कर लिया गया।
- श्री गंगानगर शुगर मिल **राजस्थान की पहली** शुगर मिल है जिसमें चुकंदर (1968) से चीनी बनाई गई है।
- यह एशिया का सबसे बड़ा चुकंदर से चीनी बनाने का सयंत्र है।
- **श्री गंगानगर शुगर मिल के अन्य उपक्रम (Other Enterprises of Sri Ganganagar Sugar Mill)-**

  (a) देशी शराब का निर्माण (Making of Country Liquor)

  (b) हैरिटेज शराब निर्माण (Heritage Liquor Making)- जयपुर (इसमें शराब की कच्ची अवस्था 'स्प्रिट' को तैयार किया जाता है।)

  (c) हाईटैक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री (Hi-Tech Precision Glass Factory)- धौलपुर

  (d) सैनिटाईजर निर्माण (Sanitizer Making)- यह श्री गंगानगर शुगर मिल का सबसे नवीनतम उपक्रम है।

◪ **निम्नलिखित में से पश्चिमी राजस्थान के किस स्थान पर पेट्रो-केमिकल (पेट्रो-रसायनिक) रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स स्थापित किया गया है –**

Junior Instructor (Wireman) Exam 2024

(a) पचपदरा (b) कोलायत
(c) भडला (d) रावतभाटा

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- **पचपदरा (जिला बालोतरा)** में **हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) द्वारा राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL)** के तहत पेट्रो-केमिकल रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स स्थापित किया गया है।
- यह परियोजना पश्चिमी राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।
- **राजस्थान के औद्योगिक कॉम्पलैक्स (Industrial Complex of Rajasthan)-**

1. **लेदर कॉम्पलैक्स (Leather Complex)-**
   स्थित (Located)- मानपुरा-माचेड़ी, जयपुर, राजस्थान
2. **सिरेमिक कॉम्पलैक्स (Ceramic Complex)-**
   स्थित (Located)- खारा, बीकानेर, राजस्थान
3. **ऊन कॉम्पलैक्स (Wool Complex)-**
   राजस्थान में 4 ऊन कॉम्पलैक्स स्थित है। जैसे-
   (a) खारा, बीकानेर
   (b) गोहाना, ब्यावर
   (c) नरबदखेड़ा, ब्यावर
   (d) ब्यावर
4. **पेट्रो केमिकल कॉम्पलैक्स (Petrochemical Complex)-**
   स्थित (Located)- पचपदरा, बालोतरा (राज.)

◪ रीको (RIICO) ने एक जापानी क्षेत्र (जोन), ____ औद्योगिक पार्क में स्थापित किया है।

Animal Atte. 2023, 2nd Grade GK -2024

(a) जोधपुर (b) धौलपुर
(c) माउन्ट आबू (d) नीमराना

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- राजस्थान औद्योगिक विकास और निवेश निगम (RIICO) ने **नीमराना (कोटपुतली-बहरोड)** में एक जापानी औद्योगिक जोन स्थापित किया है।
- **राजस्थान का पहला** जापानी पार्क नीमराना (कोटपुतली-बहरोड़) में है और दूसरा जापानी पार्क RIICO द्वारा **घिलोठ** (कोटपुतली-बहरोड़) में स्थापित किया जा रहा है।

घिलोठ औद्योगिक केंद्र -

- कोरियाई निवेश क्षेत्र को RIICO और कोरिया व्यापार निवेश (कोटपुतली-बहरोड़) संवर्धन एजेंसी (KOTRA) के संयुक्त साझेदारी में गिलोठ (कोटपुतली-बहरोड़) में विकसित किया जा रहा है।
- यह जोन जापानी कंपनियों के निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के लिए समर्पित है।

अतिरिक्त जानकारी(Additional Information)

- **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम (RIICO)** की स्थापना **1 जनवरी 1980** को हुई थी।
- राजस्थान राज्य औद्योगिक और खनिज विकास निगम (RSIMDC), कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 28 मार्च, 1969 को स्थापित एक सरकारी उद्यम, को विभाजित किया गया था।
- राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (RIICO) और राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम (RSMDC)।
- **RIICO ने विभिन्न क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक पार्क/क्षेत्र भी विकसित किए हैं:**

क्र.	पार्क / क्षेत्र का नाम	स्थान
1	रत्न और आभूषण क्षेत्र	जयपुर
2	आईटी पार्क	जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर
3	वस्त्र पार्क	जयपुर
4	बायोटेक्नोलॉजी पार्क	सीतापुरा (जयपुर), भिवाड़ी (अलवर)
5	कृषि खाद्य पार्क	कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर, अलवर
6	चर्म संकुल	मानपुरा-मचेड़ी, जयपुर

15

राजस्थान की जनसंख्या

- **वर्तमान जनगणना आयुक्त -** श्री मृत्यंजय कुमार नारायण
- **भारत में प्रथम जनगणना -** 1872 ई. (लार्ड मेयो के समय)
- **भारत में व्यवस्थित रूप से प्रथम जनगणना-** 1881 ई. (लार्ड रिपन के समय)
- 2011 की जनगणना क्रमानुसार **15वीं** जनगणना है। स्वतंत्रता के बाद 7वीं जनगणना है।
(**नारा: हमारी जनगणना हमारा भविष्य**)
- **राजस्थान की कुल जनसंख्या-** 6,85,48,437
- राजस्थान की जनसंख्या **विश्व** की जनसंख्या का **1 प्रतिशत** अंश तथा **भारत** की जनसंख्या का **5.66 प्रतिशत** भाग है।
- मूल जनगणना 2011 में राजस्थान का कुल जनसंख्या की दृष्टि से भारत में 8वाँ स्थान है।
(1. उत्तरप्रदेश 2. महाराष्ट्र 3. बिहार 4. पश्चिम बंगाल 5. आन्ध्र प्रदेश 6. मध्यप्रदेश 7. तमिलनाडु 8. राजस्थान)

नोट- 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य बनने के बाद राजस्थान का कुल जनसंख्या की दृष्टि से भारत में **7वां** स्थान हो गया।

- राजस्थान में कुल **पुरुष 3.55 करोड़** (51.86 प्रतिशत) कुल **महिलायें 3.29 करोड़** (48.14 प्रतिशत) हैं।

नोट- वर्तमान अनुमानित आंकड़ों के अनुसार राजस्थान कि जनसंख्या 8.01 करोड़ है जिसकी दृष्टि से राज्य का भारत में स्थान 7 वां है।

जनसंख्या घनत्व		
क्र.स.	**सर्वाधिक घनत्व**	**न्यूनतम घनत्व**
1.	जयपुर (595)	जैसलमेर (17)
2.	भरतपुर (503)	बीकानेर (78)
3.	दौसा (476)	बाड़मेर (92)
4.	अलवर (438)	चूरू (147)
5.	धौलपुर (398)	जोधपुर (161)
6.	बांसवाड़ा (397)	पाली (164)

नोट :

- राजस्थान का जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. (2001 में 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) हुई है।
- 2001-2011 की अवधि में **35 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी.** की वृद्धि हुई है।
- भारत का जनसंख्या घनत्व **382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी**. है।
- जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से राजस्थान का देश में **24वाँ स्थान** है।

लिंगानुपात :

क्र.सं.	सर्वाधिक लिंगानुपात	न्यूनतम लिंगानुपात
1.	डूंगरपुर (994)	धौलपुर (846)
2.	राजसमंद (990)	जैसलमेर (852)
3.	पाली (987)	करौली (861)
4.	प्रतापगढ़ (983)	भरतपुर (880)
5.	बांसवाड़ा (980)	गंगानगर (887)

नोट: **लिंगानुपात** से तात्पर्य किसी क्षेत्र में प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या से है।

$$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरुषों की क्षेत्रफल}}$$

- जनगणना 2011 के अनुसार राज्य का लिंगानुपात **928** (2001 में 921 था)।
- भारत का लिंगानुपात **943** है।
- राजस्थान का लिंगानुपात 1901 में 905 व 1951 में 921 था।
- राजस्थान का लिंगानुपात की दृष्टि से **21वां** स्थान है।

जनगणना 2011 के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य की साक्षरता दर राजस्थान से कम है–
Animal Attendant 2023 Exam Shift I

(a) तमिलनाडु (b) गोवा
(c) बिहार (d) नागालैंड

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की साक्षरता दर 66.11% थी।
- बिहार की साक्षरता दर 61.80% थी, जो राजस्थान से कम थी। तुलनात्मक रूप से, तमिलनाडु (80.09%), गोवा (88.70%) और नागालैंड (79.55%) की साक्षरता दर राजस्थान से अधिक थी।

निम्नलिखित में से कौन सा दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001 से 2011) के अनुसार सही आरोही क्रम में सुव्यवस्थित है-

AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM - 2024

(a) जोधपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर
(b) जयपुर, बाँसवाड़ा, जोधपुर
(c) जयपुर, जोधपुर, बाँसवाड़ा
(d) बाँसवाड़ा, जयपुर, जोधपुर

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- **2011 की जनगणना के अनुसार, 2001-2011 की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर निम्नलिखित है–**
  जयपुर 26.2%
  बाँसवाड़ा 26.5%
  जोधपुर 27.7%
- आरोही क्रम (कम से अधिक) में जयपुर (26.2%) < बाँसवाड़ा (26.5%) < जोधपुर (27.7%)।
- इसलिए सही क्रम जयपुर, बाँसवाड़ा, जोधपुर है।
- यह वृद्धि दर राजस्थान के शहरीकरण और जनसंख्या गतिशीलता को दर्शाती है, जिसमें जोधपुर ने उच्च वृद्धि दिखाई।

राजस्थान के सर्वाधिक व न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिले				
क्र. सं.	**सर्वाधिक**	**जनसंख्या वृद्धि दर**	**न्यूनतम**	**जनसंख्या वृद्धि दर**
1	बाड़मेर	32.5 %	श्री गंगानगर	10 %
2	जैसलमेर	31.8 %	झुंझुनूं	11.7 %
3	जोधपुर	27.7 %	पाली	11.9 %
4	बांसवाड़ा	26.58 %	बूंदी	15.4 %

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में साक्षरता दर क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम है –

AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM - 2024

(a) जयपुर और जालौर (b) कोटा और जालौर
(c) अजमेर और प्रतापगढ़ (d) जालौर और कोटा

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में साक्षरता दर के मामले में **कोटा** जिला सबसे आगे था, जहाँ साक्षरता दर **76.6%** थी, जबकि **जालौर** जिला सबसे पीछे था, जहाँ साक्षरता दर **54.9%** थी।
- कोटा की उच्च साक्षरता शिक्षा के बुनियादी ढांचे और शहरीकरण के कारण है, जबकि जालौर में ग्रामीण और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ साक्षरता को प्रभावित करती हैं।

राजस्थान में सर्वाधिक व न्यूनतम साक्षरता दर वाले जिले				
क्र. सं.	**सर्वाधिक**	**साक्षरता दर**	**न्यूनतम**	**साक्षरता दर**
1	कोटा	76.6 %	जालौर	54.9 %
2	जयपुर	75.5 %	सिरोही	55.3 %
3	झुंझुनूं	74.1 %	प्रतापगढ़	56.0 %
4	सीकर	71.9 %	बांसवाड़ा	56.3 %

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान राज्य का जनसंख्या घनत्व ____ व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था –

Animal Attendant 2023 Exam (December 2 Shift I)

(a) 211 (b) 165
(c) 200 (d) 325

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान का जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था।
- राजस्थान का कुल क्षेत्रफल 342,239 वर्ग किमी और जनसंख्या 6.86 करोड़ थी। यह घनत्व 2001 के 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक था, जो जनसंख्या वृद्धि को दर्शाता है।

16 राजस्थान में ऊर्जा संसाधन

ऊर्जा संसाधनों का वर्गीकरण

परम्परा के आधार पर

परम्परागत

ऐसे ऊर्जा संसाधन जिनका उपयोग प्राचीन समय से किया जा रहा है। परम्परागत ऊर्जा संसाधन कहलाते हैं। इन्हें **अनवीकरणीय** व **अवैकल्पिक** ऊर्जा संसाधन भी कहा जाता है।
जैसे- जीवाश्म ईंधन (कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस), जल विद्युत, आण्विक ऊर्जा संसाधन आदि।

गैर परम्परागत

ऐसे ऊर्जा संसाधन जिनका विकास पिछले कुछ दशकों से ही हुआ है या वर्तमान में उनका विकास किया जा रहा है। ये गैर परम्परागत ऊर्जा संसाधन कहलाते हैं। गैर परम्परागत संसाधनों को **नवीनीकरण** व **वैकल्पिक** ऊर्जा संसाधन भी कहा जाता है।
जैसे- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, बायोमॉस, ज्वारीय ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, लघुपन बिजली, तरंग ऊर्जा, समुद्रतापीय ऊर्जा आदि।

◪ **निम्न में से कौन-सा नवीनीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) स्रोत है -**
Junior Instructor (EM) Exam 2024

(a) कोयला (b) प्राकृतिक गैस
(c) सौर (d) तेल

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- सौर ऊर्जा नवीनीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) स्रोत है क्योंकि यह सूर्य से प्राप्त होती है, जो असीमित और पुनर्जनन योग्य है।
- कोयला, प्राकृतिक गैस और तेल गैर-नवीनीकरणीय (non-renewable) संसाधन हैं, क्योंकि ये सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं और इनका निर्माण लाखों वर्षों में होता है।

◪ **निम्नलिखित प्राकृतिक संसाधनों में से किसके लिए संरक्षण की आवश्यकता नहीं है –**
Animal Attendant 2023 Exam

(a) सौर ऊर्जा (b) जल
(c) वायु (d) मृदा

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- सौर ऊर्जा नवीनीकरणीय और असीमित संसाधन है, जो सूर्य से प्राप्त होती है, इसलिए इसके संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।
- इसके विपरीत, जल, वायु और मृदा सीमित या प्रदूषण के प्रति संवेदनशील संसाधन हैं, जिनके संरक्षण की जरूरत है।
- जल की कमी, वायु प्रदूषण और मृदा क्षरण जैसे मुद्दे संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाते हैं।
- सौर ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ है, विशेष रूप से राजस्थान जैसे क्षेत्रों में।

◪ **कथन (A): राजस्थान में सौर ऊर्जा विकास की असीम सम्भावनाएँ हैं।**
कारण (R): भाड़ला सोलर पार्क 2,245 मेगावॉट क्षमता वाला राजस्थान का सबसे बड़ा सोलर पॉवर प्लांट है।
AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM - 2024

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- **कथन (A)** सही है, क्योंकि राजस्थान में उच्च सौर विकिरण, विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र और अनुकूल नीतियाँ सौर ऊर्जा विकास की असीम संभावनाएँ प्रदान करती हैं।
- **कारण (R)** भी सही है, क्योंकि भाड़ला सोलर पार्क (जोधपुर) 2,245 मेगावॉट क्षमता के साथ राजस्थान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्लांट है।
- हालांकि, (R) केवल एक उदाहरण है और (A) की पूरी व्याख्या नहीं करता, क्योंकि सौर ऊर्जा की संभावनाएँ भाड़ला पार्क तक सीमित नहीं हैं।

राजस्थान में RRECL द्वारा प्रथम एवं द्वितीय व्यावसायिक पवन फार्म कहाँ स्थापित किए गए थे-
RPSC EO/RO Re-Exam - 2022

(a) जैसलमेर तथा आकल (b) देवगढ़ तथा नोख
(c) फलोदी तथा हर्षनाथ (d) खोडल तथा देवगढ़

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RRECL) ने प्रथम व्यावसायिक पवन फार्म **10 अप्रैल 1999** को जैसलमेर जिले के **अमरसागर** में और द्वितीय पवन फार्म **आकल (जैसलमेर)** में स्थापित किया।

अमर सागर पवन ऊर्जा संयंत्र (Amar Sagar Wind Energy Station)-
स्थित- अमरसागर, जैसलमेर
स्थापना- 10 अप्रैल, 1999

- यह राजस्थान का पहला पवन ऊर्जा संयंत्र है।

आकल पवन ऊर्जा संयंत्र (Akal Wind Energy Station)-
स्थित- आकल, जैसलमेर

भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में से राजस्थान में स्थित संयंत्रों में निम्न में से किस प्रकार का परमाणु रिएक्टर है –
Animal Attendant 2023 Exam Shift I

(a) BWR (b) IPHWR 590
(c) VVER 1000 (d) CANDU

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र (RAPS), रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) में स्थित, CANDU (Canadian Deuterium Uranium) रिएक्टरों का उपयोग करता है। ये रिएक्टर कनाडाई तकनीक पर आधारित हैं और भारी जल (ड्यूटेरियम ऑक्साइड) का उपयोग मॉडरेटर के रूप में करते हैं। अन्य विकल्प जैसे BWR (Boiling Water Reactor), IPHWR 590 और VVER 1000 भारत के अन्य संयंत्रों में उपयोग होते हैं, लेकिन राजस्थान में नहीं।

परमाणु ऊर्जा (Nuclear Energy)-

- परमाणु ऊर्जा के स्रोत या मुख्य आधार **यूरेनियम (Uranium), थोरियम (Thorium)** है।
- परमाणु ऊर्जा केंद्रों का संचालन न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (Nuclear Power Corporation of India- NPCIL) के द्वारा किया जाता है।
- NPCIL भारत सरकार का उद्यम है।

राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र को किस वर्ष में चालू (कमीशन) किया गया था –
CET 2024 (12th Level) 24 Oct. Shift-II

(a) 1973 (b) 1978
(c) 1980 (d) 1963

उत्तर:- (a)

व्याख्या:-

- राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र (RAPS), रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) में, 16 दिसंबर 1973 को चालू किया गया।
- यह भारत का दूसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र था, जिसे कनाडा सरकार के सहयोग से स्थापित किया गया।
- इसकी पहली इकाई (100 मेगावॉट) 1973 में शुरू हुई।
- **संचालन-** इस संयंत्र का संचालन न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (Nuclear Power Corporation of India- NPCIL) के द्वारा किया जाता है।
- इस संयंत्र में 6 चरणों की 6 इकाइयों से **1180 MW विद्युत** उत्पादित होती है।

प्राकृतिक गैस आधारित रामगढ़ ताप संयंत्र कहाँ पर स्थित है –
CET 2024 (12th Level) 24 Oct. Shift-II

(a) बीकानेर (b) उदयपुर
(c) भीलवाड़ा (d) जैसलमेर

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- **रामगढ़ गैस** ताप विद्युत संयंत्र **जैसलमेर** जिले में स्थित है।
- यह राजस्थान का पहला प्राकृतिक गैस आधारित विद्युत संयंत्र है, जिसकी उत्पादन क्षमता 71 मेगावॉट है।

‘स्वर्णिम चतुर्भुज’ संबंधित है -
Junior Instructor (STE)-Exam 2024
(a) रेलमार्ग से
(b) सड़क मार्ग से
(c) हवाई मार्ग से
(d) पाइपलाइन मार्ग से
उत्तर:- (b)

व्याख्या:-
- स्वर्णिम चतुर्भुज (Golden Quadrilateral) भारत का एक प्रमुख राजमार्ग नेटवर्क है, जो चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, और कोलकाता को जोड़ता है।
- इसकी कुल लंबाई लगभग 5,846 किमी है।
- यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा विकसित किया गया और 2001 में शुरू हुआ।
- राजस्थान में यह NH-48 (पूर्व में NH-8) जैसे मार्गों से गुजरता है।
- NH-8 को NH-48 व NH-58 में रूपान्तरित किया गया है।

सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन राजस्थान के _____ शहर से आरम्भ होती है –
Junior Instructor (ICTSM) Exam 2024
(a) जोधपुर (b) बाड़मेर
(c) जैसलमेर (d) बीकानेर
उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन (ट्रेन नंबर 22421/22422) जोधपुर से शुरू होती है और दिल्ली (सराय रोहिल्ला) तक चलती है।
- यह ट्रेन राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थल सालासर बालाजी मंदिर को जोड़ती है।
- जोधपुर, राजस्थान का एक प्रमुख रेलवे जंक्शन, इस मार्ग का प्रारंभिक बिंदु है।

नाल एयरपोर्ट स्थित है –
Junior Instructor (Wireman) Exam-2024
(a) जयपुर में (b) भरतपुर में
(c) बीकानेर में (d) जोधपुर में
उत्तर:- (c)

व्याख्या:-
- नाल एयरपोर्ट बीकानेर जिले में स्थित है। यह एक घरेलू हवाई अड्डा है, जो बीकानेर को दिल्ली और अन्य शहरों से जोड़ता है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से नागरिक और सैन्य उड़ानों के लिए होता है।
- अन्य विकल्प जैसे जयपुर (सांगानेर हवाई अड्डा), जोधपुर (जोधपुर हवाई अड्डा)

राजस्थान सड़क विजन (Vision) 2025 के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है–
Animal Attendant 2023 Exam
(a) इस कार्यक्रम के द्वारा राजस्थान के सभी गांवों को बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत लाया जाएगा।
(b) पहले 15 वर्षों में सभी गांवों को सड़कों से जोड़ा जाएगा।
(c) यह राजस्थान के लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किया गया था।
(d) सड़क विजन के 15 वर्षों के बाद अगले 10 वर्षों में फ्लाईओवर और चार लेन वाले राज्य महामार्गों का विकास किया जाएगा।
उत्तर:- (a)

व्याख्या:-
- राजस्थान सड़क विजन 2025 का उद्देश्य सड़क नेटवर्क का विकास और सभी गाँवों को सड़कों से जोड़ना है, न कि उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था में शामिल करना, जो आर्थिक नीतियों का हिस्सा है।
- अन्य कथन सही हैं: पहले 15 वर्षों में गाँवों को सड़कों से जोड़ा जाएगा, यह लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा तैयार किया गया और 15 वर्षों के बाद फ्लाईओवर व चार-लेन राजमार्ग विकसित होंगे।

राजस्थान के जयपुर में स्थित प्रथम श्रेणी हवाई अड्डा जहाँ से घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, कहलाता है –

Animal Attendant 2023 Exam

(a) राणा सांगा हवाई अड्डा
(b) सांगानेर हवाई अड्डा
(c) डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर हवाई अड्डा
(d) राणा प्रताप हवाई अड्डा

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- जयपुर का सांगानेर हवाई अड्डा, जिसे जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी कहा जाता है, प्रथम श्रेणी का हवाई अड्डा है, जहाँ से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। यह जयपुर के दक्षिणी हिस्से में स्थित है।
- राजस्थान का पहला और देश का **14वां अंतर्राष्ट्रीय हवाई** अड्डा
- पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान: फरवरी, 2002 (दुबई के लिए)
- अंतर्राष्ट्रीय दर्जा: 29 दिसंबर 2005
- भारत का पहला 4G वाई-फाई सुविधा युक्त हवाई अड्डा
- पूर्णत: सौर ऊर्जा से संचालित
- अडानी ग्रुप को लीज पर दिया गया
- विस्तार योजना: 50 लाख से 70 लाख यात्री क्षमता
- अन्य विकल्प गलत हैं: राणा प्रताप हवाई अड्डा उदयपुर में है, और राणा सांगा व डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर हवाई अड्डे राजस्थान में मौजूद नहीं हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रीय राजमार्ग राजस्थान राज्य से होकर गुजरता है –

Animal Attendant 2023 Exam

(a) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 2
(b) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 37
(c) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 11
(d) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या – 13

उत्तर:- (c)

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-11 (NH-11), जो अब NH-48 का हिस्सा है, राजस्थान से होकर गुजरता है और जयपुर, अजमेर, उदयपुर जैसे शहरों को जोड़ता है। यह स्वर्णिम चतुर्भुज का हिस्सा है।
- अन्य विकल्प गलत हैं: NH-2 (अब NH-19) उत्तर प्रदेश और दिल्ली से गुजरता है, NH-37 असम में है, और NH-13 कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में है।

निम्नलिखित में से किस वर्ष में राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम (RSRTC) की स्थापना हुई थी-

Animal Attendant Exam-2023

(a) 1962 (b) 1964
(c) 1955 (d) 1960

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) की स्थापना 1 अक्टूबर 1964 को सड़क परिवहन अधिनियम 1950 के तहत राजस्थान सरकार द्वारा निगम की स्थापना की गयी थी।
- इसका मुख्यालय जयपुर, राजस्थान में है।
- इसका उद्देश्य राजस्थान में किफायती, समयनिष्ठ, और कुशल बस सेवाएँ प्रदान करना है।
- राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम (RSRTC) एक सार्वजनिक परिवहन कंपनी है जो भारतीय राज्य राजस्थान में बस सेवाएँ प्रदान करती है।
- RSRTC राज्य और अंतरराज्यीय मार्गों पर बसें संचालित करता है।

जयपुर मेट्रो रेल परियोजना का प्रथम चरण, चरण - 1A शुरू हुआ था-

Animal Attendant 2023 Exam

(a) चांदपोल से बड़ी चौपड़
(b) मानसरोवर से चांदपोल
(c) मानसरोवर से जयपुर
(d) मानसरोवर से बड़ी चौपड़

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना का प्रथम चरण (चरण-1A) 9.6 किमी लंबा है, जो मानसरोवर से चांदपोल तक 3 जून 2015 को शुरू हुआ।
- इसमें 9 स्टेशन शामिल थे। यह चरण जयपुर के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को शहर के केंद्र से जोड़ता है।

राजस्थान में पर्यटन

राजस्थान के प्रमुख पर्यटक परिपथ		
क्र.	**पर्यटन परिपथ / सर्किट का नाम**	**संबंधित प्रमुख स्थान / शहर**
1	मरूस्थल परिपथ	जोधपुर – जैसलमेर – बीकानेर
2	मेवाड़ परिपथ	उदयपुर – चित्तौड़गढ़ – नाथद्वारा
3	वागड़ परिपथ	डूंगरपुर – बाँसवाड़ा
4	ढूंढाड़ परिपथ	जयपुर – दौसा – टोंक
5	गोडवाड़ परिपथ	माउंट आबू – रणकपुर
6	मेरवाड़ा-मारवाड़ परिपथ	अजमेर – पुष्कर
7	बृज-मेवात परिपथ	अलवर – सरिस्का – भरतपुर – सवाई माधोपुर
8	शेखावाटी परिपथ	सीकर – मंडावा – झुंझुनूं
9	हाड़ौती परिपथ	बूंदी – कोटा – झालावाड़
10	स्वर्ण त्रिभुज (Golden Triangle) / राष्ट्रीय राजधानी सर्किट	दिल्ली – जयपुर – आगरा
11	तीर्थ सर्किट	अजमेर – पुष्कर – नाथद्वारा – महावीर जी
12	ट्राइबल (जनजातीय) पर्यटन सर्किट	बाँसवाड़ा – डूंगरपुर – प्रतापगढ़ – उदयपुर

क्र.	धार्मिक सर्किट	शामिल जिले / प्रमुख स्थान	विशेष जानकारी
1	मेवाड़-वागड़ धार्मिक सर्किट	राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा	इन जिलों के धार्मिक केन्द्रों को आपस में जोड़ते हुए सर्किट का विकास किया गया है।
2	बुद्धा सर्किट	जयपुर, झालावाड़	बौद्ध धर्म से जुड़े केन्द्रों का विकास कर बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित करने हेतु बनाया गया है।
3	कृष्णा सर्किट	नाथद्वारा (राजसमंद), गलताजी, गोविन्द देव मंदिर, कनक वृंदावन (जयपुर), खाटूश्यामजी (सीकर)	भगवान कृष्ण से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ता है।
4	बालाजी सर्किट	सालासार बालाजी (चूरू), घाट के बालाजी, बंधे के बालाजी, सामोद हनुमान मंदिर (जयपुर), मेहंदीपुर बालाजी (दौसा), पाण्डुपोल हनुमान मंदिर (अलवर)	भगवान हनुमान से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ता है।

निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यटन स्थल (Toursit Destination) राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित नहीं है -

Junior Instructor (ICTSM) Exam 2024

(a) देशनोक करणी माता मंदिर
(b) राजस्थान राज्य अभिलेखागार
(c) लालगढ़ पैलेस और म्यूजियम
(d) पिछोला झील

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- देशनोक करणी माता मंदिर, राजस्थान राज्य अभिलेखागार (Rajsthan state Archives) और लालगढ़ पैलेस और म्यूजियम **बीकानेर जिले** में स्थित हैं।
- देशनोक का करणी माता मंदिर अपनी अनूठी चूहों की पूजा (rat worship) के लिए प्रसिद्ध है, लालगढ़ पैलेस ऐतिहासिक महल है और अभिलेखागार ऐतिहासिक दस्तावेजों का केंद्र है।
- वहीं**, पिछोला झील उदयपुर जिले** में स्थित है, जो उदयपुर की प्रमुख पर्यटन आकर्षणों (Tourist Attractions) में से एक है।

राजस्थान/भारत के कौन-से स्थान को सर्वाधिक रहस्यमयी पर्यटक स्थल (Mysterious Tourist Destination) होने का दर्जा प्राप्त है –

Animal Attendant 2023 Exam

(a) तारागढ़ (b) शेरगढ़
(c) मांडलगढ़ (d) भानगढ़

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- **भानगढ़, अलवर जिले** में स्थित, भारत का सबसे रहस्यमयी (Mysterious) और भूतिया पर्यटक स्थल (Haunted Tourist Spot) माना जाता है।
- भानगढ़ का किला अपनी रहस्यमयी कहानियों, जैसे शाप (Curse) और असामान्य घटनाओं के लिए प्रसिद्ध है।
- इसे **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India - ASI)** द्वारा संरक्षित किया जाता है और रात में प्रवेश निषिद्ध है।
- **अन्य विकल्प—**तारागढ़ (अजमेर), शेरगढ़ (धौलपुर) और मांडलगढ़ (भीलवाड़ा)—ऐतिहासिक किले हैं, लेकिन इन्हें भानगढ़ जैसा रहस्यमयी दर्जा प्राप्त नहीं है।

विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Site) रामगढ़ क्रेटर स्थित है –

AGRICULTURE OFFICER (AGRI. DEPTT.) COMP. EXAM - 2024

(a) कोटा जिले में (b) झालावाड़ जिले में
(c) बूँदी जिले में (d) बारां जिले में

उत्तर:- (d)

व्याख्या:-

- रामगढ़ क्रेटर, एक भूवैज्ञानिक विश्व धरोहर स्थल (Geological World Heritage Site), राजस्थान के बारां जिले में स्थित है।
- हाल ही में, राजस्थान सरकार ने बारां जिले में **165 मिलियन वर्ष पूर्व** उल्कापिंड (Meteorite) के प्रभाव से निर्मित 3 किलोमीटर व्यास वाले रामगढ़ क्रेटर को आधिकारिक तौर पर देश के **प्रथम भू-विरासत स्थल (First Geo-Heritage Site** के रूप में मान्यता दी है।
- यह वैज्ञानिक और पर्यटन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह स्थल भूवैज्ञानिक अध्ययन और पर्यटन को बढ़ावा देता है।

जयपुर, दौसा तथा टोंक किस पर्यटक परिपथ में सम्मिलित हैं –

RPSC EO/RO Re-Exam - 2022

(a) वागड़ (b) ढूँढार
(c) गोडवार (d) मेरवाड़ा

उत्तर:- (b)

व्याख्या:-

- जयपुर, दौसा और टोंक राजस्थान के **ढूँढार पर्यटक परिपथ** में शामिल हैं।

ढूंढाड़ सर्किट (जयपुर-दौसा-टोंक)

- ढूंढाड़ सर्किट जयपुर के चारों ओर फैला हुआ ना हुआ है और इतिहास, संस्कृति, वास्तुकला और धर्म के समृद्ध संयोजन के लिए जाना जाता है।

विज्ञापन

सफलता की चाबी
राजस्थान परीक्षा हेतु PYQ's सीरीज़

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर के विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में,
अक्षांश प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।

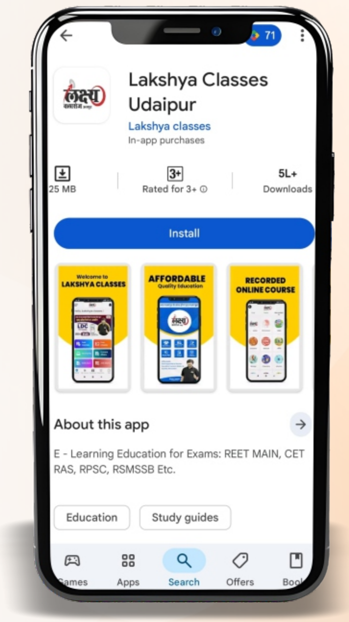

Scan to Download Lakshya App Now

Google play

MRP : ₹299

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

राजस्थान के सभी बुक स्टोर्स एवं लक्ष्य क्लासेज एप्लीकेशन पर उपलब्ध!

S.No. AP0043 CODE : APDO(35) NRT

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur